mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-49 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

19 फरवरी 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

महाकुंभ मेले का एक्सटेंशन नहीं, डीएम ने की अफवाहों पर लगाया विराम

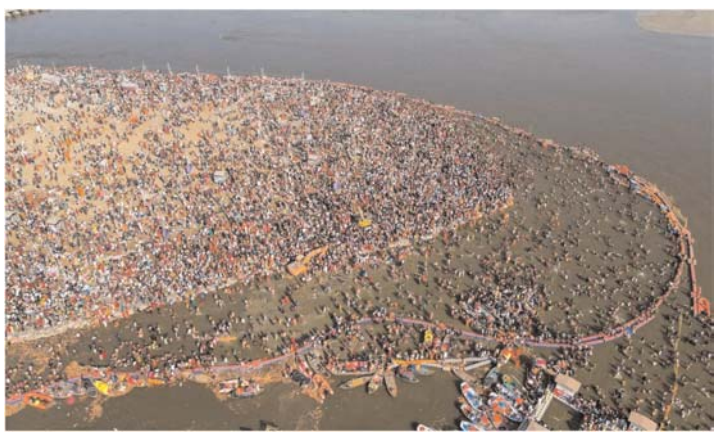

प्रयागराज (एजेंसी)। इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से अफवाह फैली है कि प्रयागराज महाकुम्भ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रदेश सरकार और मेला व जिला प्रशासन की ओर से मेले का एक्सटेंशन करते

● लेकर सोशल मीडिया पर जारी अफवाहों पर डीएम ने स्पष्टीकरण दिया

हुए इसे मार्च तक बढ़ा दिया गया है। प्रयागराज के डीएम रविंद्र मांदड़ ने ऐसी अफवाहों का सिरे से खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह नितांत अफवाह है। महाकुम्भ मेले का जो शेड्यूल जारी होता है, वह मुहूर्त के हिसाब से जारी होता है और पहले से तय होता है। 26 फरवरी को निर्धारित तिथि पर ही महाकुम्भ का समापन होगा और तब तक जो भी श्रद्धालु आ रहे हैं, उन सभी के सुगम आवागमन को सुनिश्चित किया जा रहा है।

मेले की डेट के एक्सटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर जारी अफवाहों पर डीएम ने स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर सभी श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की वह किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान ना दें, क्योंकि शासन और प्रशासन की तरफ से मेले की डेट के एक्सटेंशन का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी दिन शेष बचे हैं, इस दौरान लोगों के सुगम स्नान के प्रबंध किए जा रहे हैं। लोग संगम में स्नान करने के बाद वापस अपने गंतव्यों की ओर लौटें, इसका प्रबंध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट हमारी प्रॉयरिटी है। इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। प्रयागराज के आम जनजीवन को बिना प्रभावित किए श्रद्धालुओं के आवागमन का बैलेंस बनाकर काम किया जा रहा है।

पीक डेज पर बंद किया जाता है प्रयाग संगम स्टेशन रेलवे स्टेशन को बंद किए जाने को लेकर डीएम ने कहा कि कोई रेलवे स्टेशन बिना पूर्व सूचना के बंद नहीं किया गया है। यह कोरी अफवाह है। उन्होंने कहा कि दारागंज में प्रयाग संगम स्टेशन पीक डेज पर हम पहले भी बंद करते आए हैं। चूंकि यह स्टेशन मेले से सटा हुआ है, इसलिए यहां ज्यादा भीड़ इकट्ठा न हो, इसलिए इसको स्थाई रूप से बंद किया गया है। इसके अतिरिक्त जितने भी हमारे स्टेशन हैं सभी ऑपरेशनल हैं और बड़ी संख्या में लोग वहां से आ और जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार और जिला प्रशासन के लिए एतिहासिक अवसर है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन पर हम सभी गतिविधियों को सामान्य रूप से संचालित कर रहे हैं। अभी तक किसी भी छात्र की परीक्षा नहीं छूटी है। पूर्व में भी हमने अपील की थी कि बोर्ड परीक्षा दे रहे सभी छात्र और पेरेंट्स निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचें। सभी ने इस पर अमल किया है। सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड ने भी निर्णय लिया है कि यदि किसी का एग्जाम छूटता है तो छात्र को परीक्षा के अंत में एक और अवसर प्राप्त हो सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

सऊदी अरब में एक साथ बैठे रूस और अमेरिका, यूक्रेन जंग समेत अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

रियाद (एजेंसी)। रूस और अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने मंगलवार को सऊदी अरब में मुलाकात की और यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने तथा संबंधों को बेहतर बनाने के लिए बातचीत

शुरू की। रियाद के दिरियाह पैलेस में हुई यह बैठक ट्रंप प्रशासन द्वारा रूस को अलग-थलग करने की अमेरिकी नीति को बदलने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक का मार्ग प्रशस्त करना है। इस महीने की शुरुआत में ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के प्रति अमेरिकी नीति को यह कहकर बदल दिया था कि वह और पुतिन युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बैठक में भाग नहीं लिया और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि अगर कीव भाग नहीं लेता है तो उनका देश परिणाम को स्वीकार नहीं करेगा। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव सोमवार रात सऊदी राजधानी पहुंचे थे। उशाकोव ने कहा कि वार्ता 'पूरी तरह से द्विपक्षीय' होगी और इसमें यूक्रेनी अधिकारी शामिल नहीं होंगे।

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी सेना को लगा बड़ा झटका

पाराचिनार (एजेंसी)। पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला हुआ है। अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना की राहत सामग्री ले जा रहे ट्रकों पर पहले हुए हमले का जवाब दे रहे सुरक्षा बलों पर घात लगाकर आतंकवादियों ने हमला किया है। इस दौरान हुई गोलीबारी में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी

है। यह हमला अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में राहत सामग्री ले जा रहे ट्रकों के काफिले पर सोमवार को हुए हमले के जवाब में अधिकारियों द्वारा अतिरिक्त बल भेजे जाने के कुछ ही घंटों बाद हुआ। ट्रकों पर किए गए हमले में एक चालक और सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि कुर्रम में रात भर हुए हमले में कुछ सुरक्षा कर्मी भी घायल हुए हैं। यहां हाल के महीनों में शिया और सुन्नी कबीलों के बीच झड़पों में कम से कम 130 लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुर्रम के मुख्य शहर पाराचिनार की ओर जा रहे कई ट्रकों को लूट लिया गया और जला दिया गया। पाराचिनार के एक अस्पताल के चिकित्सक कैसर अब्बास ने बताया कि उन्हें सोमवार रात कुर्रम से चार जवानों के शव मिले। वहीं अधिकारियों ने बताया कि हमलों के दोषियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बनाई जा रही थी।

ताज महोत्सव 2025 हुआ शुरू, कितना है टिकट प्राइस, कहां से करें बुक? जानें पूरी डिटेल

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में ताज महोत्सव 2025 का आगाज हो गया है। यह उत्सव हर वर्ष आगरा के ताजमहल के निकट आयोजित किया जाता है। इस साल 33वां ताज महोत्सव आयोजित हो रहा है जिसमें देश-विदेश से लोग आएंगे। इसमें भारत की समृद्ध विरासत, कला, शिल्प, संगीत और व्यंजन देखने को मिलेंगे। अगर आप इसमें शामिल होने के लिए उत्सुक और इच्छुक हैं तो ये खबर आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। आइए इस खबर के जरिए हम ताज महोत्सव 2025 में शामिल होने के लिए टिकट को बुक कैसे करें और टिकट प्राइस जैसे तमाम प्रश्नों के उत्तर को जानते हैं। सबसे पहले बता दें कि यह महोत्सव 18 फरवरी से 2 मार्च 2025 तक चलेगा। यह महोत्सव शिल्प ग्राम(ताजमहल के ईस्टर्न गेट के पास) में आयोजित किया जा रहा है। बता दें कि सुरक्षा की दृष्टि से एक अस्थाई पुलिस चौकी भी बनाई गई है। इस महोत्सव में प्रवेश के लिए टिकट प्राइस को आप नीचे दिए गए बिंदुओं के माध्यम से समझ सकते हैं। वयस्क- 50/- रुपये (प्रति व्यक्ति), (3 वर्ष तक) - निःशुल्कए विदेशी पर्यटक- निःशुल्क, स्कूल यूनिफॉर्म में 50 स्कूली बच्चों के समूह के लिए, 700/- रुपये (स्कूल ग्रुप के साथ 2 शिक्षकों के लिए निःशुल्क प्रवेश) आधिकरिक वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अलग से कोई टिकट नहीं है। सभी प्रवेश द्वारों पर उपलब्ध टिकट खिड़कियों से टिकट खरीदे जा सकते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अलग से कोई टिकट की आवश्यकता नहीं है।

बीते दिनों स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर नए नियम, प्रयागराज ट्रेनें का प्लेटफार्म निर्धारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लगातार भारी भीड़ उमर रही है। बीते दिनों स्टेशन पर भगदड़ मच गई थी जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल भी हुए थे। अब दिल्ली पुलिस ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए कई नए उपाय किए हैं, ताकि फिर से भगदड़ जैसी स्थिति न बन पाए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सोमवार को विशेष बैठक का आयोजन किया गया और इसमें कई अहम फैसले किए गए हैं। आइए जानते हैं इन फैसलों के बारे में। विशेष बैठक में फैसला किया गया है कि ट्रेन के प्रस्थान से काफी देर पहले स्टेशन आने वाले यात्रियों को रेलवे स्टेशन के बाहर इंतजार करना होगा। यात्रियों के सुचारू आवागमन के लिए, दिल्ली पुलिस के जवान, ऋऋऋ और तऋऋ के साथ सभी एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर यात्रियों के टिकटों की जांच करेंगे।

इस प्लेटफॉर्म से मिलेंगी प्रयागराज स्पेशल ट्रेन: रेलवे के अधिकारियों की ओर से फैसला किया गया है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाली विशेष ट्रेनें केवल प्लेटफॉर्म नंबर 16 से ही रवाना होंगी। एक अधिकारी ने बताया- ''प्लेटफॉर्म 16 पर ग्राउंड लेवल से कई प्रवेश और निकास बिंदुओं के माध्यम से पहुंचा जा सकता है, जिससे यात्रियों को फुट ओवरब्रिज का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी।''

बिना काम के फुट ओवरब्रिज पर घूमने पर रोक: पुलिस की ओर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिना किसी वैध कारण के फुट ओवरब्रिज पर घूमने पर भी रोक लगा दी गई है। जानकारी के मुताबिक, कई लोग बिना किसी काम के फुट ओवरब्रिज पर खड़े थे या प्रतीक्षा कर रहे थे। इससे भीड़भाड़ और देरी हो रही थी। स्टेशन के बाहर एक अस्थायी पंडाल के साथ एक निर्दिष्ट वेटिंग एरिया बनाया गया है। इसके अलावा सभी प्लेटफार्म पर पैदल गश्त बढ़ा दी गई है, और यात्रियों को वैध कारण के बिना प्लेटफार्म पर बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विधायकों और मंत्रियों की हटाई गई सुरक्षा

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में विधायक, नेताओं और मंत्रियों की सुरक्षा में कटौती की गई है। इस पर भाजपा नेता नितेश राणे ने बयान देते हुए कहा, थ्रेट परसेप्शन के आधार पर सिक्योरिटी दी जाती है। इसलिए तो उद्धव ठाकरे और संजय राउत को भी सुरक्षा दी गई है, नहीं तो लोग उन्हें अंडे और चप्पलों से मारेंगे। हमने इंफोर्समेंट कमेटी के माध्यम से एक टीम बनाई है। उन्होंने कहा कि इलीगल फिशिंग बंद होनी चाहिए। आज से यह कमेटी काम शुरू कर रही है। बाहर से आने वाले लोगों से हमारे लोकल फिशिंग पर प्रभाव न पड़े, इसपर नजर रखी जाएगी। लाउडस्पीकर के मुद्दे पर उन्होंने कहा, मेरा कहना है कि ऐसा मत नवरात्रि और गणेश चतुर्थी पर ही क्यों आता है। उन्होंने कहा, मस्जिद के मुद्दे पर ही उन्हें मिर्ची लगती है। लाउडस्पीकर अगर बजाना है तो आप बांग्लादेश और पाकिस्तान चले जाओ। कोर्ट की बात तो माननी पड़ेगी ना।% छत्रपति संभाजी महाराज पर कमाल आर खान के दिए बयान पर नितेश राणे ने कहा कि इसी तरह के जिहादियों के खिलाफ हम बात करते हैं। पुलिस तो अपना काम करेगी ही। पैगंबर मोहम्मद पर बोलने पर आप गला काटने की धमकी देते हैं। कुछ चीजें हम सहन नहीं कर सकते।

महाकुंभ को लेकर सीएम ममता बनर्जी का विवादित बयान, बोलीं- 'ये मृत्यु कुंभ है'

विधानसभा में बोलते हुए सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ को लेकर विवादित बयान दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताया है। ममता बनर्जी ने कहा कि ये अब महाकुंभ नहीं रहा, मृत्यु कुंभ हो गया है। ममता बनर्जी ने विधानसभा में बोलते हुए सरकार पर महाकुंभ में कोई इंतजाम नहीं करने का आरोप लगाया है। आइए जानते हैं कि ममता बनर्जी ने और क्या कुछ कहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ को लेकर कहा कि ये अब महाकुंभ नहीं रहा। मृत्युकुंभ हो गया है। महाकुंभ के प्रति पूरा सम्मान, श्रृद्धा है। पवित्र मां गंगा के प्रति पूरा सम्मान है लेकिन इन्होंने क्या किया। कोई प्लानिंग नहीं की, सिर्फ हाईप क्रिएट की, कितने लोगों की मौत हो गई है। ममता बनर्जी ने कहा कि वो महाकुंभ और मां गंगा का सम्मान करती हैं लेकिन हकीकत ये है कि सरकार ने कुंभ के लिए कोई इंतज़ाम नहीं किए। इसलिए इतने लोगों की मौत हुई। ममता बनर्जी ने कहा कि अमीरों के लिए स्पेशल कैम्प बनाए गए हैं, उनका किराया एक लाख रूपये रोजाना का है लेकिन गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं। ममता ने कहा कि इस तरह के मेलों में भगदड़ की आशंका हमेशा रहती है लेकिन इस बार सरकार ने कोई इंतजाम नहीं किए।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भव्य महाकुंभ का आयोजन जारी है। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग के मुताबिक, सोमवार 17 फरवरी तक 54.31 करोड़ लोगों ने महाकुंभ में स्नान कर लिया है। बता दें कि महाकुंभ में 40 करोड़ लोगों के शामिल होने की संभवना जताई गई था। हालांकि, ये आंकड़ा काफी आगे चला गया है। महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी 2025 से शुरू हुआ था। इसका समापन 26 फरवरी 2025 को होगा।

ठगों ने लगाया लाखों का चूना

महाकुंभ में फ्लाइट्स और टेंट बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी

संभल (एजेंसी)। महाकुंभ जाने के लिए फ्लाइट्स और टेंट बुकिंग के नाम पर मुंबई में एक महिला संग साइबर ठगी का मामला देखने को मिला है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई के लोअर परेल की एक व्यवसायी महिला ने प्रयागराज में कुंभ मेले के लिए टेंट और हवाई टिकट बुक करने का प्रयास करते समय ऑनलाइन धोखाधड़ी में 3.78 लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 55 वर्षीय शिकायतकर्ता, जो फर्नीचर का व्यवसाय करती हैं, अपने पति के साथ प्रयागराज जाने की योजना बना रही थी। 7 फरवरी 2025 को उन्होंने ऑनलाइन टेंट बुकिंग के लिए एक वेबसाइट संपर्क किया। उन्होंने बताया कि वेबसाइट पर संपर्क करने पर, उन्हें एक अन्य कस्टमर केयर का व्हाट्सएप नंबर मिला, जिसमें छह यात्रियों के नाम और आधार विवरण मांगे गए थे। घोटालेबाज ने उन्हें ऑफिसर से जुड़ी जानकारी भी भेजी, जिसमें कहा गया था कि भुगतान करने पर दो वीआईपी टेंट बुक किए जा सकते हैं, जिसके बाद महिला ने टेंट बुकिंग शुल्क के रूप में ÷यूपी स्टेट टूरिज्म ÷ नामक खाते में 35,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। अगले दिन यानी 8 फरवरी को ठग ने छह यात्रियों को 2,61,990 रुपये में फ्लाइट टिकट पर छूट देने का ऑफर दिया। उसने पूरा भुगतान पहले ही करने को कहा, साथ ही आधार कार्ड की जानकारी भी मांगी। इसके बाद शिकायतकर्ता महिला ने अपने बैंक खाते से 1 लाख रुपये ट्रांसफर किए, जबकि उसके दोस्त, जो उसी ग्रुप का हिस्सा था, उसने 75 हजार रुपये ट्रांसफर किए। बाद में शिकायतकर्ता के ने अपने खाते से 30,500 रुपए और उसके दोस्त ने अपने खाते से 90,500 रुपए ट्रांसफर कर दिए। कुल मिलाकर 3,78,000 का भुगतान करने के बावजूद, घोटालेबाज ने दावा किया कि भुगतान में देरी के कारण फ्लाइट टिकट रद्द कर दिए गए थे और उसने रीबुकिंग के लिए और 93,018 रुपये और मांगे। पीड़ित महिला ने 47,000 और भेजे, लेकिन उसके दोस्त ने आगे पैसे देने से इनकार कर दिया और रिफंड का अनुरोध किया।

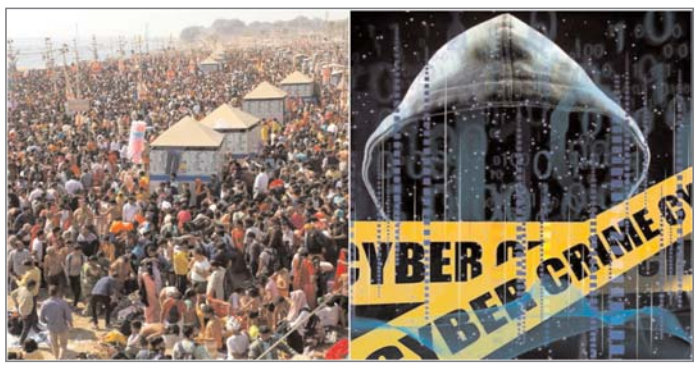

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल

'यूट्यूब पर फैली अश्लील सामग्री के बारे में सरकार क्या करना चाहती है'

जिस तरह से तथाकथित यूट्यूब चैनल और यूट्यूबर्स इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। नहीं करना चाहिए नजरअंदाज- कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूट्यूब के एक शो में रणवीर इलाहाबादिया द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूब प्लेटफॉर्म में फैली अश्लीलता को लेकर केंद्र सरकार पर अपना तल्ख रुख अपनाया है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह यूट्यूब पर फैली अश्लील सामग्री के बारे में कुछ करना चाहते हैं? न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, हम चाहते हैं कि आप (सरकार) कुछ करें। अगर सरकार कुछ करने को तैयार हैं तो हमें खुशी होगी। अन्यथा हम इस खालीपन और बंजर क्षेत्र को उस तरह नहीं छोड़ेंगे कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से भी सहायता मांगी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें इस मुद्दे के महत्व और संवेदनशीलता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सरकार कानून बनाने पर कर रही विचार!: केंद्र के सामने सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल ऐसे समय में आया है, जब कुछ दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति केंद्र को कानून को मजबूत करने के लिए पत्र लिखने पर विचार कर रही है। ताकि सरकार यह सुनिश्चित कर सके कि रणवीर इलाहाबादिया ने यूट्यूब पर जो अभद्र टिप्पणियां की थीं। इस तरह की अभद्र टिप्पणियां किसी दूसरे यूट्यूब चैनल पर न की जा सकें।

प्रयागराज से आ रही ट्रेन में लगी आग, त्रिवेणी एक्सप्रेस में मचा हड़कंप

सोनभद्र (एजेंसी)। जिले के खैराही स्टेशन के पास कर्मा थाना इलाके में मंगलवार दोपहर को डिलही के पास त्रिवेणी एक्सप्रेस में आग लग गई। वहीं ट्रेन में आग लगने के बाद उठता हुआ धुआं देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि ड्राईवर की सूझबूझ से सही समय पर आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद यात्री ट्रेन छोड़ कर बस पकड़ने के लिए मुख्य मार्ग पर पहुंच गए हैं। मिर्जापुर-सोनभद्र मुख्य मार्ग पर आकर कई यात्री सवारी गाड़ी में बैठकर अपने गंतव्य तक गए। यात्रियों की मानें तो इस ट्रेन में दो बार आग लग चुकी है। पहली आग लूसा के करीब लगी और अब दोबारा डिलही के पास आग लगी है। हालांकि आग लगने से कोई नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के बाद ज्यादातर यात्री ट्रेन से उत्तर गए। इनमें से कुछ लोग बस से चले गए। वहीं आग किस कारण से लगी है, इसका अभी पता नहीं चल सका है। आग लगने के कारणों के बारे में कोई कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। इस सम्बन्ध में सेल फोन पर बातचीत में खैराहि स्टेशन मास्टर बी पी सिंह ने कहा कि ट्रेन के चक्के में ब्रेक लग गया था, जिसके कारण धुआं उठने लगा था। इस घटना से किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ट्रेन चोपन के लिए रवाना हो गई है।

16 किमी लंबे 10 लेन अयोध्या बायपास के लिए पेड़ काटने की तैयारी

भोपाल एजेंसी। तस्वीर में सड़क के दोनों तरफ दिख रही ये हरियाली अगले तीन साल के भीतर खत्म होने वाली है। दरअसल आसाराम तिराहा से करोंद होते हुए रत्नागिरी तिराहे तक 10 लेन अयोध्या बायपास के लिए कम से कम 12 हजार पेड़ काटे जाएंगे। चूंकि 30 सेमी से कम गोलाई के पेड़ों की कटाई पर रोक नहीं है, इसलिए ऐसे 4000 पेड़ तो इस गिनती में शामिल ही नहीं हैं। फिलहाल एनएचएआई सर्वे कर रहा है। यह गिनती 739 तक पहुंच गई है। पर्यावरणविद् डॉ. सुदेश वाघमारे के अनुसार इस रोड पर ज्यादातर पेड़ गुलमोहर, केशिया सेमिया, करंजी, अमलतास और यूकेलिप्टस के हैं। एक पेड़ काटने की एवज में 4 पेड़ लगाने के बराबर राशि निगम को जमा कराना होती है।

प्रोजेक्ट में 8000 पेड़ काटने की अनुमति के लिए 32 हजार पेड़ लगाने के बराबर राशि जमा करना होगी। 1450 रुपए प्रति पेड़ के हिसाब से यह 4.64 करोड़ रुपए होती है।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवांश नुवाल ने बताया कि अभी गिनती चल रही है। हम औसतन एक किमी में 333 पेड़ लगाते हैं। इस हिसाब से 16 किमी की इस रोड पर 5300 से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। इसके अलावा यदि स्थानीय प्रशासन जगह उपलब्ध कराएगा तो और पौधे भी रोपे जा सकते हैं।

16 किमी लंबे अयोध्या बायपास में मेन रोड 6 लेन की होंगी। 2-2 लेन की सर्विस रोड बनेगी। करोंद चौराहा, पीपुल्स मॉल के पास और मिनाल रेसिडेंसी के पास तीन फ्लाईओवर भी बनाए जा रहे हैं। 18 छोटे-बड़े अंडरपास भी बनेंगे। इन्हें हर 700-800 मीटर की दूरी पर बनाया जाएगा।

निगम का दावा 5517 फ्लैट तैयार, हकीकत; न बिजली है न लिफ्ट...

भोपाल एजेंसी। लोगों का पीएम आवास योजना के तहत अपने घर का सपना अभी भी अधूरा है। 5 साल से कई लोगों को गृह प्रवेश का की खुशी तो नहीं मिली, लेकिन किराया और लोन की किश्त की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। कई लोगों ने अधूरे प्रोजेक्ट में आवास ले लिए। यहां न तो लिफ्ट है, न बिजली और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं। नगर निगम की हाउसिंग फॉर ऑल के तहत 13,597 आवास स्वीकृत हुए थे। इनमें से धरातल पर 11416 आवास आ तो गए, लेकिन सिर्फ 5517 ही पूरे हो सके हैं। इनमें भी सिर्फ 4493 ने ही कब्जा लिया है। 2181 तो बनना ही शुरू नहीं हुए। पीएम आवास के तहत 25 प्रोजेक्ट चल रहे हैं, इनमें से 8 ही पूरे हुए हैं। फ्लैट की कीमत 5.50 लाख से 55 लाख तक है। बागमुगालिया... साल 2019 से यहां 9 बिल्डिंग में करीब 550 फ्लैट बनाए जा रहे हैं। इनमें से 4 ब्लॉक के 170 फ्लैट तैयार हो चुके हैं। प्रोजेक्ट साल 2024 में पूरा होना था, लेकिन 70 फीसदी से ज्यादा प्रोजेक्ट अधूरा है।

यहां एक ब्लॉक में लोग रहने आ गए हैं, लेकिन न बिजली कनेक्शन हैं न लिफ्ट चालू हुई। इस प्रोजेक्ट में 1 बीएचके फ्लैट लेने वाले नीतीश देवहरे ने बताया कि 3 साल पहले फ्लैट लिया था। हर महीने 7 हजार की किश्त और 5 हजार रुपए का किराया चुका रहा हूं।

साल 2017 में 12 नंबर स्टॉप पर हाउसिंग फॉर ऑल योजना के तहत फ्लैट बनना शुरू हुआ। यहां 22 बिल्डिंग बनाई जा रही हैं जिनमें 512 फ्लैट हैं। इसे 2020 में पूरा होना था, लेकिन 2025 तक सिर्फ 216 एमआईजी फ्लैट तैयार हो पाए हैं। उनमें भी लिफ्ट आदि का काम बचा है। यहां फिनिशिंग का काम पूरा नहीं हो सका है। ईडब्ल्यूएस और एलआईजी तो आधे-अधूरे हैं।

यहां प्रधानमंत्री आवास के तहत 2880 फ्लैट तैयार किए गए। यहां रोहित ने साल 2022 में फ्लैट लिया था। उन्होंने बताया कि दावा किया गया था कि सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, भव्य गेट होगा। सुरक्षा के लिए बड़ी बाउंड्री वॉल होगी।

बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए आज से दी जाएगी घर-घर दस्तक

भोपाल एजेंसी। बाल स्वास्थ्य और पोषण के लिए दस्तक अभियान का द्वितीय चरण मंगलवार 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 18 मार्च तक संचालित होगा। इस अभियान के दौरान 9 माह से 5 साल के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। साथ ही दस्तक अभियान के प्रथम चरण में एनीमिक पाए गए 6 माह से 5 साल के बच्चों के खून की जांच डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से की जाएगी। एनीमिया के स्तर की पुन: जांच कर बच्चों का थेरेप्यूटिक प्रबंधन किया जाएगा।

अभियान के तहत एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी द्वारा घर-घर जाकर दस्तक दी जाएगी। अभियान की तैयारियों के सम्बन्ध में जिला और विकासखंड स्तरीय समीक्षा कर कार्ययोजना बनाई गई है। एक माह तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य 5 वर्ष से छोटे बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण की सेवाएं प्रदान करके बाल मृत्यु में अपेक्षित कमी लाना है। अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए के घोल की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के दौरान डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से बच्चों में एनीमिया की स्थिति की जांच करके एनीमिक पाए गए बच्चों को आयरन सप्लीमेंटेशन सेवन कराया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.प्रभाकर तिवारी ने बताया कि अभियान हेतु बच्चों की लाइन लिस्टिंग तैयार की गई है। अभियान के दौरान सभी लक्षित बच्चों को स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास के संयुक्त दलों द्वारा गृह भेंट कर सेवाएं दी जाएंगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-टेंट सिटी में 5 स्टार होटल्स जैसी सुविधाएं

भोपाल एजेंसी। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए, भोपाल में 108 टेंट की नई %सिटी% बन रही है। इनमें 5 स्टार होटल्स जैसी सारी सुविधाएं रहेंगी। एयर कंडिशनर से लेकर डबल बेड, लाइटिंग, वॉक के लिए बागीचा रहेगा, ताकि वे प्रकृति को करीब से जान सकेंगे। कलियासोत ग्राउंड के ठीक पीछे डैम और आसपास हरियाली का आकर्षक नजारा दिखाई देता है। 11 फरवरी से टेंट सिटी तैयार हो रही है।

20 फरवरी तक इसे कंपलीट करना है। राजस्थान की एक फर्म टेंट सिटी तैयार कर रही है। कंपनी के चक्रवर्ती सिंह ने बताया कि, डेढ़ सौ से ज्यादा कारीगर और मजदूर टेंट सिटी बनाने में लगे हैं। इनमें ग्राफिक्स, पार्क, टेंट आदि काम वे कर रहे हैं। कलाकार जयपुर, मुंबई और भोपाल के हैं। आधा काम पूरा हो चुका है, जबकि बाकी 3 दिन में पूरा कर लेंगे।

पहले दो टेंट सिटी कलियासोत और केरवा डैम किनारे बनाने पर मंथन चल रहा था।

भोपाल-इंदौर हाईवे पर कुबेरेश्वर जाने वाली गाड़ियां ही दौड़ेंगी

भोपाल एजेंसी। सीहोर से 6 किमी दूर कुबेरेश्वर धाम में 25 फरवरी से शिव महापुराण कथा शुरू होगी, जो 3 मार्च तक चलेगी। इस दौरान यहां लाखों श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में ट्रैफिक जाम की स्थिति बनेगी। इसलिए 25 फरवरी से 3 मार्च तक भोपाल-सीहोर प्रशासन ने ट्रैफिक रूट में बदलाव किया है। कथा के दौरान भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे पर कुबेरेश्वर जाने वाली गाड़ियां ही दौड़ेंगी। शिवमहापुराण कथा में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से सड़क मार्ग द्वारा आवागमन होगा। इस दौरान यातायात सुगम बनाए रखने के लिए भोपाल से इंदौर और इंदौर से भोपाल आने जाने वाले वाहनो के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह ने भी कथा एवं मार्ग को लेकर

भोपाल-सीहोर के कलेक्टर से चर्चा की। इसके बाद मार्ग को परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया। पुलिस को सारे इंतजाम करने को कहा गया है। भोपाल से इंदौर जाने वाले भारी वाहनों के लिए भोपाल से श्यामपुर, ब्यावरा होते हुए इंदौर (तुमड़ा दोराहा जोड़ होते हुए) जा सकेंगे। इसी प्रकार इंदौर से भोपाल जाने वाले भारी वाहनों को देवास से ब्यावरा, श्यामपुर होते हुए भोपाल जा सकेंगे।

महाशिवरात्रि पर होगा डेढ़ लाख भक्तों का भंडारा

भोपाल एजेंसी। मध्य प्रदेश के भोजपुर में आगामी महाशिवरात्रि पर आयोजित होने वाले विशाल भंडारे की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के 22वें वार्षिक भंडारे का भूमि पूजन मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आज किया।

पंडित सुमित शर्मा के विधि-विधान से कराए गए इस भूमि पूजन की शुरुआत नन्ही बालिका स्वाभी भटेजा द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव शक्ति होटल के पास आयोजित होने वाले इस भंडारे में लगभग डेढ़ लाख शिव भक्तों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की जाएगी।

कार्यक्रम में मंडल के प्रमुख सदस्यों में राजकुमार शर्मा, विपिन भार्गव, विजय श्रीवास्तव, सचिन सेवारमानी, सुरेंद्र सिंह जाट समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरूपयोग को रोकने खाद्य विभाग की कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

भोपाल एजेंसी। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरूपयोग को रोकने के लिए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जांचें खाद्य विभाग के अमले से लगातार कराई जा रही हैं।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अजीत कुजूर ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा 16 फरवरी 2025 को सईदिया स्कूल एवं अन्ना नगर स्थित 02 गैस रिफिलिंग पाईंट की जांच में घरेलू गैस सिलेण्डर 14.2 कि.ग्राम के 09 नग भरे, 22 नग खाली एवं 19 कि.ग्राम व्यावसायिक प्रवर्ग के 02 नग भरे, 09 नग खाली, 04 नग इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा, 05 नग गैस अंतरण मोटर पम्प मय रेग्यूलेटर पाईप के एवं लगभग 70 नग गैस सिलेण्डर कैप तथा 17 फरवरी 2025 को म.न.75 छत्रपति नगर नरेला शंकरी भोपाल से घरेलू गैस सिलेंडर 14.2 कि.ग्राम क्षमता के 32 नग भरे, 09 नग खाली गैस सिलेण्डर एवं 19 कि.ग्राम क्षमता के 01 नग भरा, 02 नग खाली व्यवसायिक गैस सिलेण्डर, 01 नग गैस अंतरण मोटर पम्प मय रेग्यूलेटर पाईप के एवं 06 नग पीतल की बंसी, 01 नग इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा एवं लगभग 50 नग गैस सिलेण्डर कैप अनाधिकृत भंडारण, विक्रय एवं अंतरण करने पर जप्त किये गये। जप्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 2 लाख 64 हजार है।

मंत्रालय कर्मचारियों का अनोखा विरोध प्रदर्शन

भोपाल एजेंसी। मध्य प्रदेश मंत्रालय के कर्मचारियों ने अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने के लिए अनूठा आंदोलन करने का निर्णय लिया है। सोमवार को आयोजित मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी समिति की आपात बैठक में 4 मार्च को वल्लभ भवन क्रमांक-1 के मेन गेट के निकट लंच टाइम में 108 बार हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करने का फैसला लिया गया है।

मंत्रालय के कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से उपेक्षा के शिकार हैं। जहां प्रदेश के अन्य विभागों के कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान दिया जा रहा है, वहीं मंत्रालय के कर्मचारियों की लगातार अनदेखी की जा रही है। चौथे समयमान वेतनमान से मंत्रालय के कर्मचारियों को वंचित रखा गया है, जबकि यह सुविधा पूरे प्रदेश के कर्मचारियों को दी गई है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पिछले 9 वर्षों से रुकी पदोन्नतियां, 13 वर्षों से सचिवालय भत्ते में वृद्धि न होना, कर्मचारी/पेंशनर बीमा योजना का क्रियान्वयन और आउटसोर्स कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन का मुद्दा शामिल है। सामान्य प्रशासन विभाग ने मार्च 2020 में क्रमोन्नति/समयमान के साथ उच्च पदनाम देने का परिपत्र जारी किया था, लेकिन स्वयं अपने विभाग में इसका पालन नहीं किया।

आधार लिंकिंग एवं फॉर्मर रजिस्ट्री न करने पर होगी सख्त कार्यवाही- श्री सिंह

भोपाल एजेंसी। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने राजस्व अधिकारियों को आधार लिंकिंग एवं फॉर्मर रजिस्ट्री में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो अधिकारी इस कार्य में ढिलाई बरतेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समय-सीमा में प्राप्त पत्रों का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने

सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें और जिले की रैंकिंग में सुधार लाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने शहर में अवैध अतिक्रमण की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर में अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को लेकर जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके अधीनस्थ सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की जानकारी जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी भोपाल पर अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने भोपाल की वेटलैंड साइट्स के भौतिक सत्यापन को दो दिवस की समय-सीमा में कराने के निर्देश दिए।

रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 हेतु किसान पंजीयन जारी

भोपाल एजेंसी। भोपाल जिले में रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 47 सहकारी समितियों पर किसान पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। किसान पंजीयन की कार्यवाही 20 जनवरी 2025 से प्रारंभ है। सहकारी समितियों के माध्यम से किये जा रहे किसान पंजीयन पूर्णत: नि:शुल्क हैं। किसान द्वारा समितियों के अतिरिक्त स्वयं के मोबाइल पर पंजीयन एप डाउनलोड करके पंजीयन किया जा सकता है। साथ ही एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल श्री अजीत कुजूर ने बताया कि किसान पंजीयन की कार्यवाही राजस्व विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त गिरदावरी के आंकडों के आधार पर की जा रही है। पंजीयन के दौरान पंजीयन पोर्टल पर किसान द्वारा बोया गया रकवा अथवा फसल के संबंध में अंतर होने पर संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार के यहां संशोधन / सुधार की व्यवस्था शासन द्वारा प्रदान की गई है। पंजीयन के दौरान पोर्टल पर रकबा अथवा फसल संबंधी किसी भी प्रकार की विसंगति प्रदर्शित होने पर, संबंधित तहसीलदार के कार्यालय में तत्काल संपर्क करें। किसान पंजीयन के लिए आधार से लिंक मोबाईल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त होने के उपरांत ही पंजीयन किया जा सकेगा। शामिलाती भू-स्वामी होने पर सभी हिस्सेदार अपने-अपने हिस्से में आने वाली भूमि पर बोयी गयी फसल का पंजीयन करा सकेंगें। उन्होंने बताया कि सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों का पंजीयन केवल सहकारी समिति के माध्यम से किया जा सकेगा। इस के लिए सिकमी, बटाईदार संबंधी निर्धारित स्टाम्प पेपर पर किसान का एक वर्ष पुराना अनुबंध होना अनिवार्य है।

मैं भोपाल महापौर बोल रही हूं...सीवेज चोक था, क्या सुधर गया? किसी ने पैसा तो नहीं लिया

भोपाल एजेंसी। हैलो, मैं महापौर मालती राय बोल रही हूं...। राघवेंद्र जी महापौर हेल्पलाइन में आपने सीवेज लाइन के चोक होने की शिकायत की थी। क्या ये शिकायत क्लियर हो गई है? काम के बदले किसी ने पैसा तो नहीं लिया? भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार को महापौर राय ने मोबाइल पर कॉल करके शिकायत करने वालों से कुछ तरह से बात की। साथ ही अफसरों को भी निर्देश दिए। यहां महापौर ने %महापौर महिला हेल्पलाइन% की समीक्षा की और हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। महापौर राय ने बताया कि पेंडिंग शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए हैं। हर मंगलवार को समीक्षा करती हूं, लेकिन पिछले एक महीने से शेड्यूल व्यस्त होने की वजह से समीक्षा नहीं कर पाई थी। भोपाल में आवारा कुत्तों के शिकार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। महापौर हेल्पलाइन में इनकी शिकायतें की जा रही हैं। यही कारण है कि इन शिकायतों की संख्या भी बढ़कर

1464 तक पहुंच गई है, जो अन्य शिकायतों की तुलना में सबसे ज्यादा है। हालांकि, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चलते आवारा डॉग्स को पकड़ा भी जा रहा है। इसके बाद सीवेज, स्मार्ट लाइट की समस्याएं शामिल हैं स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट डॉग्स, सीवेज, सफाई समेत निगम से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो आप भी निगम को कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए महापौर हेल्पलाइन नंबर-155304 पर कॉल करना होगा।

आयकर ने लोकायुक्त और ईडी से मांगी रिपोर्ट

भोपाल एजेंसी। आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा, सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल से अब आयकर विभाग पूछताछ कर सकता है। ईडी की रिमांड खत्म होने के बाद पूछताछ की रणनीति बनाई जाएगी।

बोलेरो-जीप में टक्कर, जीप सवार 6 लोग घायल

बोलेरो सवार पांच लोग फरार, सीधी के रामपुर नैकिन की घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के लेहेचुआ में मंगलवार शाम करीब 5 बजे बोलेरो और जीप में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में जीप सवार 6 लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से रामपुर नैकिन अस्पताल भेजा गया।

टक्कर के बाद बोलेरो सवार पांच लोग मौके से फरार हो गए। जीप में सवार यात्रियों को स्थानीय लोगों और पुलिस ने अस्पताल भिजवाया।

घायलों में प्रतिभा यादव, आदित्य यादव, सरोज केवट, नान बाई कोल, विमला कोल और सावित्री केवट शामिल हैं।

रामपुर नैकिन थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों वाहनों के चालक मौके पर नहीं मिले।

स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसा तेज गति और लापरवाही से हुआ। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर जाम लगा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

थाना प्रभारी ने बताया कि फरार बोलेरो सवारों की तलाश की जा रही है।

बस अनियंत्रित होकर खाई में अटकी

गुजरात से प्रयागराज महाकुंभ जा रही थी, सभी यात्री सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के अजयगढ़ घाटी में गुजरात से प्रयागराज जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में लटक गई। ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए सभी यात्रियों को बस के इमरजेंसी गेट से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसा मंगलवार सुबह 4 बजे का है।

क्रेन की मदद से बस को निकाला गया: घटना से घाटी में लंबा जाम लग गया और सड़क के दोनों तरफ सैकड़ों वाहन फंस गए। क्रेन की मदद से बस को खाई से निकालकर सड़क पर लाया गया, जिसके बाद ट्रैफिक सामान्य हुआ।

पन्ना-छतरपुर एनएच 39 पर बन रही जाम की स्थिति: प्रयागराज में माघ मेले के दौरान बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ का असर पन्ना जिले में भी दिख रहा है। पन्ना-छतरपुर एनएच 39 पर मड़ला घाटी में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस मार्ग पर सड़क हादसों में भी बढ़ोतरी हो गई है।

किसान की हत्या में दंपती सहित तीन गिरफ्तार

खेत में पानी लगाने के विवाद में कुल्हाड़ी से किया था हमला

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के सिरी गांव में खेत में पानी लगाने के विवाद में एक किसान की हत्या कर दी गई थी। मामले में अमानगंज थाने की पुलिस ने मंगलवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटना 15 फरवरी की रात की है। मृतक राजेन्द्र विश्वकर्मा (27) अपने पिता प्रकाश के साथ खेत की रखवाली के लिए गए थे। अगली सुबह जब वे घर नहीं लौटे तो उनके छोटे भाई जितेन्द्र विश्वकर्मा उन्हें खोजने निकले। रामदयाल चौधरी के खेत के पास राजेन्द्र का शव मिला।

पुलिस जांच में सामने आया कि राजेन्द्र का खेत में पानी लगाने को लेकर बल्लू उर्फ कंतावाला से विवाद हुआ था। बल्लू ने अपने भाई रतिराम और पत्नी कुसुम के साथ मिलकर राजेन्द्र पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपियों ने मृतक के पिता को भी मारकर बेहोश कर दिया था।

पुलिस ने तीनों आरोपियों बल्लू (30), उसकी पत्नी कुसुम (28) और बल्लू के भाई रतिराम चौधरी (24) को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपी सिरी गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। वहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

दो बाइकों की हुई भिड़ंत

एक घायल, दूसरा फरार, पुलिस की स्पीड लिमिट फॉलो करने की अपील की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के टिकरी में पेट्रोल पंप के पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक सवार वंश बहादुर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरा बाइक राइडर मौके से फरार हो गया। घटना मंगलवार दोपहर 3 बजे की है।

घायल वंश बहादुर सिंह टक्कर के बाद सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उनके परिवार को सूचना दी। उनकी पत्नी सविता सिंह घटनास्थल पर पहुंचीं। वे उन्हें जिला अस्पताल ले गईं।

फरार बाइक राइडर की पुलिस कर रही तलाश: टिकरी चौकी प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस फरार बाइक चालक की तलाश कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस ने लोगों से गाड़ी चलाते समय सावधानी बरतने और स्पीड लिमिट का पालन करने की अपील की है।

प्रथम प्रयास में एमपीपीएससी पास मझगवाँ पहुंचे भागवत प्रसाद शिवहरे का बुके देकर दिया स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवाँ निवासी एवं अमृत टेडर्स के संचालक अमृतलाल शिवहरे के सुपुत्र भागवत प्रसाद शिवहरे ने प्रथम प्रयास में एमपीपीएससी परीक्षा को उत्तीर्ण कर आरटीओ उपनिरीक्षक के पद पर चयनित होकर आज मझगवाँ पहुंचे जिनका स्वागत करने के लिए जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह ने बुके देकर भव्य स्वागत किया, उनके साथ स्वागत करने वाले में प्रदीप त्रिपाठी मझगवां, अभिषेक सिंह, नरेंद्र जायसवाल, बल्लू साहू, गोलू यादव, अंशु जायसवाल, बबलू पाल, राजा पाण्डेय, सचिन गौतम, शालिग्राम द्विवेदी, प्रशांत गुप्ता एवं अन्य लोग मौजूद रहे साथ ही मझगवाँ बस स्टैंड में नन्नू जायसवाल, ज्ञानी जायसवाल, ऋषि जायसवाल के आतिशबाजी कर खुशियां मनाई गई।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया जिला जेल सीधी का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला द्वारा जिला जेल सीधी में मंगलवार 18 फरवरी को विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजन के साथ जिला जेल सीधी का निरीक्षण किया गया। उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर ने बंदियों से अधिवक्ता, जेल में भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सकीय मेल-मिलाप तथा अन्य समस्याओं के संबंध में पूछताछ की तथा बंदियों को उनके अधिकार संबंधी जानकारी दी।

शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन ने उपस्थित बंदियों को अपील एवं पेरोल के अधिकार तथा विधिक सहायता योजना की जानकारी दी गई। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने बंदियों को जानकारी देते हुए कहा कि निःशुल्क विधिक सहायता तहसील एवं जिला न्यायालय के साथ उच्च न्यायालय में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति तथा उच्चतम न्यायालय में उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति के माध्यम से उपलब्ध होती है।

बाइक डीलरशिप के कर्मचारियों ने 200 लोगों से की धोखाधड़ी

नकद भुगतान लेकर फाइनेंस कराई बाइक, अब इएमआई के लिए परेशान हो रहे खरीदार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में हीरो डीलरशिप के कर्मचारियों ने करीब 200 लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। कर्मचारियों ने दिवाली ऑफर का लालच देकर ग्राहकों से नकद में बाइक की पूरी रकम ली और उनकी जानकारी के बिना बाइक को फाइनेंस करा दिया।

पीड़ित चिरंजीलाल प्रजापति ने बताया कि 4 नवंबर को आनंद हीरो एजेंसी से स्प्लेंडर प्लस बाइक खरीदी थी। कर्मचारी अंकित सिंह जादौन ने दिवाली ऑफर में 15 हजार रुपए की छूट का लालच दिया। नकद भुगतान करने के बाद बाइक और रसीद मिली।

बाइक ले गए फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी: 24 जनवरी 2025 को अंकित और आकाश सिंह नाम के दो व्यक्ति घर आए और ईएमआई न जमा करने का हवाला देकर बाइक ले गए। जब हिंदुजा फाइनेंस ऑफिस में पता किया तो खुलासा हुआ कि बाइक फाइनेंस कराई गई है। हीरो कंपनी में जांच करने पर पता चला कि अंकित ने नौकरी छोड़ दी है और करीब 200 बाइकों में ऐसी धोखाधड़ी की गई है।

एक अन्य पीड़ित सचिन अहिरवार ने बताया कि उन्होंने 65 हजार रुपए में नकद बाइक खरीदी थी। अब फाइनेंस कंपनी श्रब्द्ध की मांग कर रही है। अजय अहिरवार ने बताया कि उन्होंने 10 बाइक खरीदी थीं, जिन पर यह धोखाधड़ी की गई।

पीड़ितों ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों की जांच में बिल्कुल देरी न करें मंत्री : महापौर

ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की बैठक में शामिल हुए महापौर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इंदौर में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई का सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भोपाल से और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जयपुर से वर्चुअली जुड़े। रीवा के महापौर अजय मिश्रा बाबा भी इस बैठक में शामिल हुए और उन्होंने निकॉय की समस्याओं से अवगत कराया। बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान की जांच कराएंगे तो निगम कटघरे में होंगे का महापौर अजय मिश्रा बाबा ने समर्थन किया और कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों की जांच होनी चाहिए, क्योंकि अधिकांश जगह भाजपा की ही स्थानीय सरकार है और भ्रष्टाचार हो सकता है। इस बात में बिल्कुल नगरीय प्रशासन मंत्री को देरी नहीं करनी चाहिए। रीवा महापौर ने बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री द्वारा टैक्स बढ़ाए जाने का विरोध किया और कहा कि पहले से ही जनता पर जरूरत से ज्यादा टैक्स का बोझ है और ऐसे में टैक्स बढ़ाना बिल्कुल जनहित में नहीं है। बता दें कि बैठक में 16 नगर निगमों के महापौर शामिल हुए।

बिजली विभाग पर मनमानी का आरोप

कर्मचारी ने वसूले अधिक रुपए, बिजली काटने से सूखने लगीं फसलें : किसान

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत कलानी के किसानों ने बिजली विभाग पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन दिया। किसानों का आरोप है कि बिजली कर्मचारी उनसे अधिक पैसे वसूल रहे हैं।

किसान सरमन मिश्रा ने बताया कि लहरा पावर हाउस से बिजली विभाग ने शुक्रवार को गांव की बिजली सप्लाई बंद कर दी है। इससे खेतों में लगी फसलें सूखने लगी हैं। एक दर्जन से अधिक किसान अपनी समस्या लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। मिश्रा ने बताया कि उन्होंने 8500 रुपए जमा किए हैं।

वहीं रामरतन सिंह ने बताया कि विभाग ने सभी किसानों से 8,500 रुपए लिए हैं। लेकिन किसी को रसीद नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अन्य जगहों पर यह शुल्क मात्र 6500 रुपए है। किसानों ने कलेक्टर से बिजली कर्मचारियों की शिकायत की है। साथ ही जल्द ही बिजली सप्लाई चालू करने की मांग की है। कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सीईओ ने 72 फरियादियों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिला पंचायत में मंगलवार को जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 72 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने हर आवेदन के जल्द निराकरण का भरोसा दिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय और विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद रहे। जनसुनवाई में अलग-अलग क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जैतहरी के लहरपुर गांव के धनराज भैना ने पीएम आवास योजना का लाभ मांगा।

सिवनी गांव के भगवानदीन राठौर ने पेड़ों की अवैध कटाई और बिक्री की शिकायत की। लहसुना गांव के उपेंद्र सिंह ने विद्युत कनेक्शन की मांग की। अनूपपुर की जलेबिया बाई कोल ने संबल कार्ड से सहायता राशि की मांग की। बिजुरी नगर परिषद के शिव प्रसाद बसोर ने धारणाधिकार योजना का लाभ मांगा। जैतहरी की बेलाबाई चौधरी ने दुकान जलने पर आर्थिक सहायता की मांग की।

चित्रांगन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म एवं नाट्य महोत्सव में देशभर के बड़े कलाकार करेंगे शिरकत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कला प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर! 5वां चित्रांगन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म एवं नाट्य महोत्सव 20 से 24 फरवरी तक कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम, रीवा में आयोजित किया जाएगा। रंग उत्सव नाट्य समिति, स्थानीय जन एवं प्रशासन के सहयोग से इस पांच दिवसीय महोत्सव में बॉलीवुड के मशहूर कलाकारों से लेकर स्थानीय नाट्य दलों तक, सभी अपनी कला का शानदार प्रदर्शन करेंगे।

इस महोत्सव में बॉलीवुड के प्रमुख अभिनेता में शुमार रघुबीर यादव अपने प्रसिद्ध नाटक 'मारे गए गुलफाम' की प्रस्तुति देंगे। साथ ही, पंचायत सीरीज में 'बनराकस जी' के नाम से प्रसिद्ध अभिनेता दुर्गेश कुमार भी इस मंच पर उपस्थित से समां बांधेंगे। महोत्सव में देश के प्रसिद्ध म्यूजिक बैंड साधो द बैंड के कलाकर भी अपनी संगीत प्रस्तुति देंगे, जो संगीत प्रेमियों के लिए एक अनूठा अनुभव होगा।

इसके अतिरिक्त, ग्वालियर और पटना से आने वाले नाट्य दल अपनी-अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगी। इस महोत्सव में कला और संस्कृति के अन्य रंग भी देखने को मिलेंगे, जैसे कि आर्ट क्राफ्ट मेला और पुस्तक मेला, जहां आप विभिन्न कला रूपों और साहित्य का आनंद ले सकेंगे। साथ ही, इस महोत्सव में नृत्य एवं संगीत शो का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें प्रमुख कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। यह महोत्सव रंग उत्सव नाट्य समिति द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, और इसके संयोजन का जिम्मा रामम सांस्कृतिक समिति ने लिया है। महोत्सव के मार्गदर्शक उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल हैं।

महोत्सव के फेस्टिवल डायरेक्टर अंकित मिश्रा और शुभम पाण्डेय ने इस महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी कला प्रेमियों से भाग लेने की अपील की है।

विधायक ने मौहरिया में 141.70 लाख के स्टेडियम निर्माण का भूमिपूजन किया

स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को निखारने में सहायता मिलेगी : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विधायक रीती पाठक द्वारा ग्राम मौहरिया में नवीन स्टेडियम निर्माण का भूमि पूजन किया गया। मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सीधी द्वारा मौहरिया में 141.70 लाख रुपये लागत से नवीन स्टेडियम का निर्माण किया जावेगा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह एवं देव कुमार सिंह चौहान की विशिष्ट उपस्थिति रही।

विधायक पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन की सरकार सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को निखारने में सहायता मिलेगी। क्षेत्र के युवाओं की क्षमता में वृद्धि होगी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनता की मांग के आधार पर क्षेत्र का सतत विकास किया जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ क्षेत्र की जनता को मिलेगा। विकास का काम धरातल पर दिखेगा जिससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप शुक्ला, ग्राम पंचायत मौहरिया की सरपंच शिवकुमारी सिंह, उपखण्ड अधिकारी नीलेश शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोक तिवारी, अमन पाठक, पुष्पराज सिंह, सहित जनप्रतिनिधिगण, एसडीओ आरईएस, उपयंत्री, एपीओ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संपादकीय

अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या नहीं?

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत ही बड़ी खबर नहीं है। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे ने पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखा है। बड़ी खबर यह भी है कि लोग यह समझ चुके हैं कि रेलवे में सुधार की बातें सिर्फ खोखली हैं। बड़ी खबर यह भी है कि तमाम लोगों को इस बात का पक्का विश्वास हो चला है कि पर्वों-त्योहारों और छुट्टियों के समय टिकट खरीदने से लेकर अपने गंतव्य तक पहुँचने तक रेल का सफर परेशान करेगा ही करेगा। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे स्टेशन पर या पटरी पर चलती ट्रेन के साथ कितनी बड़ी दुर्घटना हो जाये, रेल मंत्री कभी नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेंगे। बड़ी खबर यह भी है कि दुर्घटना होने पर मुआवजे या जांच का ऐलान तुरंत ही करने वाले रेल मंत्री अपना इस्तीफा देना तो दूर कभी इस्तीफे की पेशकश तक नहीं करेंगे।

देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई बड़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। अगर महाकुंभ की ही बात कर लें तो भले रेल मंत्री ने प्रयागराज के लिए हजारों ट्रेनें चलाने के दावे किये हों लेकिन आप देशभर में सर्वे करा लें तो पाएंगे कि प्रयागराज के लिए ज्यादातर लोगों को ट्रेनों में टिकट मिले ही नहीं और जिनको टिकट मिले उनका सफर आरामदायक नहीं रहा। यही नहीं, हैरानी की बात यह भी रही कि प्रयागराज के लिए रेलवे की वेबसाइट और ऐप पर भले टिकट नहीं थे लेकिन मेकमाई ट्रिप जैसी ट्रैवल साइटों पर 500 रुपए की अतिरिक्ति फीस देकर उसी तारीख के रेलवे टिकट उपलब्ध थे। हम 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन 2025 तक रेलवे को इतना भी आत्मनिर्भर नहीं बना पाये हैं कि उसकी ही वेबसाइट और ऐप पर सभी को कंफर्म टिकट मिल जायें। आज भी रेल यात्रियों को अपना टिकट कंफर्म कराने के लिए वीआईपी कोटा या रेलवे कोटा लगवाने के लिए नेताओं और अधिकारियों से मदद मांगनी पड़ती है जोकि शर्मनाक है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के जांच के आदेश तो दे दिये गये हैं लेकिन सवाल उठता है कि पहले की घटनाओं की जांच रिपोर्टों का क्या हुआ? पिछली घटनाओं के लिए कौन लोग दोषी ठहराये गये, उन्हें कौन-सी कड़ी सजा हुई? क्या इसका विवरण कभी रेल मंत्री देश के सामने रखने का साहस जुटाएंगे?

महाकुंभ की अद्भुत, अविस्मरणीय, अतुलनीय प्रशासनिक तैयारियां अब शोध-अनुसंधान का विषय

डॉ दिनेश चन्द्र सिंह

प्रथमं तीर्थराजं तू प्रयागायं सुविश्रुतिम। कामिकं सर्वतीर्थानां धर्म कामार्थ मोक्षदम।। अर्थात तीर्थराज प्रयाग का नाम सर्वश्रेष्ठ तीर्थ के रूप में लोक वियात है। यह सभी तीर्थों के फलों को देने वाला अकेला तीर्थ है, जो व्यक्तिविशेष के जीवन में- धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष- नामक चारों पुरुषार्थों का प्रदाता है। यूँ तो हर 12 वें वर्ष में यहां कुंभ का आयोजन अनंत काल से हो रहा है, लेकिन महाकुभ का आयोजन प्रयागराज हर बार 144वें वर्ष में ही होता है।

इसलिए पतित पावनी गंगा, कलंक प्रक्षालिनी यमुना और अंतर्धारा पुण्य सलिला सरस्वती नदी के त्रिवेणी संगम तट पर अवस्थित प्रयागराज, उत्तरप्रदेश, भारत गणराज्य का अलग ही महात्म्य है। सनातन मनीषियों के मुताबिक, हर 144 वर्ष के अंतराल पर और इस बार वर्ष 2025 में पुनः ग्रहों का ऐसा शुभ संयोग बना है जिसके कारण यहाँ आना और संगम तट पर स्नान-ध्यान करना पुण्यबर्धक समझा जाता है। 2025 का दिव्य महाकुंभ 144 वर्षों की सुदीर्घ प्रतीक्षा के बाद खगोलीय गणित एवं धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक दृष्टि से ग्रह-नक्षत्रों के अभूतपूर्व मिलन के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण और मनोकामना पूर्ति की मोक्ष की पूर्ति के लिए फलदायक है।

बहरहाल यह पावन स्थल सनातन धर्मियों के साथ ही अध्यात्म एवं धार्मिक आस्था में विश्वास रखने वाले प्रत्येक मानव के लिए आकर्षण का केंद्र बिंदु बना हुआ है। साथ ही, धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों को समझने एवं अध्ययन, चिंतन-मनन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बन चुका है।

वहीं, गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं कि जब श्रीराम लंका पर विजय प्राप्त करके पुष्पक विमान से लौट रहे थे तो वह विमान से ही सीताजी को तीर्थों के दर्शन कराते और उनका वर्णन करते हुए प्रयाग पहुंचने पर कहते हैं-

यानी तीर्थराज के प्रयाग के दर्शन मात्र से किसी भी मनुष्य का करोड़ों जन्मों का पाप नष्ट हो जाता है।

इसलिए यहां पर मैं प्रयागराज महाकुंभ की आध्यात्मिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मान्यताओं से इतर इसके सकारात्मक और व्यवहारिक पक्ष पर अपना विचार रख रहा हूँ। उम्मीद है कि इसके प्रति आपकी भी जिज्ञासा बढ़ेगी।

देखा जाए तो यह महाकुम्भ देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था की सुदृढ़ता, इसके लौह कवच रूपी अदम्य साहस, अपराजेय संकल्प शक्ति, अखंड आत्मविश्वास, कभी न थकनेवाली पुलिस-प्रशासनिक व्यवस्था के लिए किए गये अनुपम एवं विलक्षण प्रयास जिज्ञासु जनों के लिए शोधकार्य का विषय है। इस महाकुम्भ की कमान उत्तरप्रदेश के सुयोग्य, यशस्वी, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के योग्य करकमलों में है।

हालांकि, कुछ विघ्न संतोषी, सनातन विरोधी और धार्मिक आस्था के प्रति अरुचि रखने वाले दोहरे चरित्र के लोग, किसी न किसी बहाने महाकुंभ मेला की सुदृढ़ व्यवस्था में छेद करने के लिए यत्र-तत्र प्रयासरत हैं। चूंकि मैं प्रयागराज के निकटवर्ती जनपद में कार्यरत हूँ। इसलिए इससे जुड़ी बहुत सारी अनुभूतियों को संजोए हुए हूँ। जबकि, सेवा, समर्पण और आस्था से लबालब होने के कारण मन करता है कि श्रद्धालुओं के वास्ते सब कुछ ऐसा करूं जिससे मैं भी महाकुम्भ में आने जाने वाले धर्मानुरागी व्यक्तियों के लिए सहयोगी बन सकूँ।

वाकई महाकुम्भ अखंड सनातन गर्व, हिन्दू महापर्व का दिव्य-भव्य, मानवीय मूल्यों की एकता को आलोकित करने वाला, एक अविचल और अलौकिक अनुभूति लिए माननीय योगी जी की प्रशासनिक दक्षता का एक ऐसा दिव्य प्रयास है जहाँ सबकुछ आँखों के सामने ठहर जाता है कि हम ऐसे सफल सुप्रयासों की कैसे-कैसे प्रशंसा करें। क्योंकि पूरी व्यवस्था में किंचित मात्र भी कमी नहीं है। जो लोग स्वभाव वश इस पुनीत प्रयासों में कमी ढूंढते हैं, वह भी किंकर्तव्यविमूढ़ हैं, क्योंकि कमी कहीं नहीं है। किसी भी व्यवस्था में नहीं है।

जरा सोचिए यदि 40 करोड़ लोग ऐसे ही जलाशय, समुद्र या नदी में स्नान करते, जहाँ ईश्वरीय प्रताप या दिव्यता के साथ भगवान शिव का आशीर्वाद न होता तो करोड़ों लोग स्किन रोग के शिकार हो जाते। परन्तु यह पुण्य तीर्थराज प्रयागराज हैं; जहाँ सभी तरह से मां गंगा-यमुना-सरस्वती के पावन संगम पर स्नान करने से ही नहीं अपितु दर्शन लाभ से भी धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है।

हालांकि ईश्वर सबके धैर्य, पराक्रम, साहस, प्रशासनिक दक्षता, धार्मिक आस्था और त्याग की परीक्षा लेता है। योगी जी का भी लिया, जो अव्वल अंकों से पास हो गए। क्योंकि

काल प्रवाह वश गत 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या के शाही स्नान से ठीक पहले जो घटना घटित हुई, वह माननीय श्री योगी जी के पुरुषार्थ पूर्ण किए गए कार्य की परीक्षा थी, धार्मिक आस्था से लबालब उनके अदम्य साहस की परीक्षा थी, जिसने एक-एक व्यक्ति को, हम सभी को द्रवित किया। वहीं, धर्म विरोधी आस्था रखने वालों और उन्माद फैलाने वालों को आलोचना का अवसर भी दिया।

परन्तु ऐसे धार्मिक आस्था के केन्द्र बिंदु साहसी प्रतापी पुरुष माननीय योगी आदित्यनाथ जी, जिन्होंने संयोग वश केवल ठाना है उत्तरप्रदेश के गौरव को, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के राम-राज्य की अवधारणा को, धरातल पर पुनः प्रतिस्थापित करने के लिए। इसलिए वह हृदयविदारक घटना से सिर्फ द्रवित ही नहीं हुए, अपितु मन वचन कर्म से आहत होकर, अंदर से रोकर भी, बाहर से आने वाले महाकुम्भ के यात्रा को कैसे और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए, ऐसे भाव से कुछ क्षण के लिए भावुक होकर, मन के अंदर रोकर भी पुन~ व्यवस्था में लग गए।

इसलिए यहां याद आती है महाकवि निराला की %राम शक्ति पूजा% की कुछ मार्मिक पंक्तियां जो योगी जी के मन का संधान कर कार्य करने के लिए उपयोगी बनी। जब सभी हताश निराश आलोचना के शिकार थे- 卐है अमानिशा; उगलता गगन घन अंधकार; खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पवन-चार; अप्रतिहत गरज रहा पीछे अंबुधि विशाल; भूधर ज्यों ध्यान-मग्न; केवल जलती मशाल। स्थिर राघवेंद्र को हिला रहा फिर-फिर संशय, रह-रह उठता जग जीवन में रावण-जय-भय; जो नहीं हुआ आज तक हृदय रिपु-दम्य-श्रांत, एक भी, अयुत-लक्ष में रहा जो दुराक्रांत, कल लड़ने को हो रहा विकल वह बार-बार, असमर्थ मानता मन उद्यत हो हार-हार।

माननीय योगी जी का मन अशांत था परन्तु कभी पराजय न मानने वाले योगी जी मौनी अमावस्या की पूर्व की बेला में हुई घटना से दुःखी होकर बैठने वाले नहीं थे। उन्होंने खुद कमान सम्भाली और महाकुम्भ के आयोजन स्थल से सटे सभी जनपदों में हाई अलर्ट जारी कर करोड़ों श्रद्धालुओं को पड़ोसी जनपदों में होल्ड कराया। जिसकी संरचना एवं व्यवस्था माननीय मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित/आयोजित बैठकों में से पूर्व से ही थी।

भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

ललित गर्ग

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी ज़रूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का ''जिम्मेदार'' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड़्यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सर्वेषां अविरोधेन् है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है।

भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ

उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम 'हिंदुत्व' है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है।

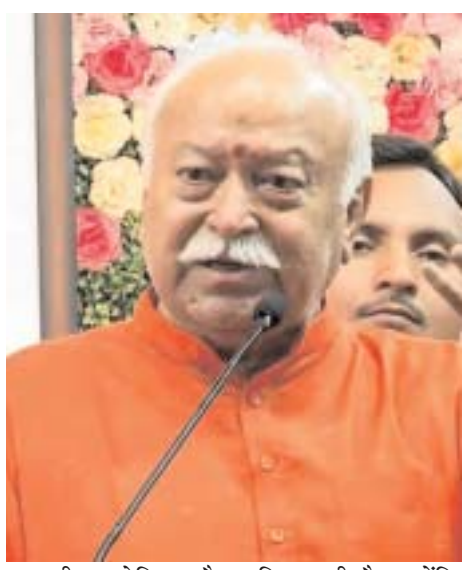

भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया-यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिये हिन्दू समाज की एकता जरूरी है। हिन्दू एकता भारत की आत्मा को जाग्रत करेगी। भारत का स्वाभिमान, आध्यात्मिकता और ऋषियों का ज्ञान वापस आयेगा। परिणामस्वरूप देश से भ्रष्टाचार, हिंसा और अनैतिकता दूर होने के रास्ते खुलेंगे। भारत पुनः जगद्गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक बनेगा। हमारे शत्रु भी हमसे मित्रता करने के लिए हाथ बढ़ायेंगे। इन सब स्थितियों को देखते हुए हिन्दू एकता एवं उसको संगठित करना जरूरी है, इसके लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास एक रोशनी है, एक ताकत है। संघ और हिंदुत्व को लेकर अक्सर उद्देश्यहीन, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचनाएं होती रही हैं लेकिन इस तरह की नीति के द्वारा किसी का हित सधता हो, तो ऐसा प्रतीत नहीं होता तथा न ही उससे संघ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संघ की ऐसी आलोचना करने वाले समय, शक्ति और अर्थ का अपव्यय करते हैं तथा अपनी बुद्धि के दिवालियापन को उजागर करते हैं। संघ न केवल देश बल्कि दुनिया का बहुचर्चित एवं सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। जो बहुचर्चित होता है उसका विरोध भी होता है। निरूद्देश्य एवं स्तरहीन विरोध, विरोधी विचारधाराओं एवं संगठनों की स्वार्थपूर्ण मनोवृत्ति, ईर्ष्या एवं विध्वंस की नीति का स्वयंभू प्रमाण बन जाता है। संघ एवं मोहन भागवत की आलोचना करने वाले तथा उनके व्यक्तित्व पर कीचड़ उछालने वाले लोग एवं संगठन स्वयं को कमजोर अनुभव करते हुए भी समाज एवं राष्ट्र में प्रतिष्ठित होना चाहते हैं, वे ही ऐसी आलोचना करते हैं। उनकी आलोचनाएं एक जीवंत परंपरा को झुठलाने के असफल प्रयास ही रहे हैं।

हिन्दू एकता के अभाव में ही देश में जेहादी आतंकवाद, तीन करोड़ विदेशीबांग्लादेशियों की घुसपैठ, हिन्दुओं का धर्मान्तरण, गौहत्या, मठ-मंदिरों की सरकारी अधिग्रहण के माध्यम से लूट, हिन्दू संतों और देवताओं का अपमान, नारियों पर अत्याचार-बलात्कार, हिन्दुओं के साथ अंधाधुंध भेदभाव, अन्याय, अत्यन्त सहनशील हिन्दू समाज और महान् हिन्दू धर्म को नष्ट करने के षडयन्त्र बहुत तेजी से बढ़े। हिन्दू एकता से ये बुराइयां स्वयं नष्ट होने लगेंगी। इससे सबसे अधिक लाभ समाज की दौड़ में पिछड़े रह गए बन्धुओं को, गरीबों को और देश के बेरोजगार नवयुवकों को मिलेगा। हिन्दू विरोधी अपने को धर्मनिरपेक्ष घोषित करने वाले राजनेताओं ने भ्रष्टाचार के माध्यम से गरीब जनता के परिश्रम का लाखों करोड़ रुपया हड़पा है। अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस जैसी ताकते भारत विरोधी विमर्श गढ़ने के लिये अकूत पैसा झोंक रहे हैं, वही हमारे देश के कुछ राजनीतिक दल उसके हाथों खेल रहे हैं। सिकंदर से लेकर सोरोस तक हुए ऐतिहासिक आक्रमणों एवं साजिशों पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर बर्बर लोगों ने, जो गुणों में श्रेष्ठ नहीं थे, भारत पर शासन किया, तथा समाज में विश्वासघात का चक्र जारी रहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था तथा भारत के विखंडित होने की धारणा अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी।

ट्रेलर ने कुचला, 20 मीटर घसीटा, 2 दोस्तों की मौत

सड़क पर तड़पता रहा नाबालिग, बलरामपुर में पिकअप की टक्कर से बाप-बेटे की मौत

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को 2 अलग-अलग सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। रायगढ़ में ट्रेलर ने बाइक सवार 2 दोस्तों को कुचल दिया। एक युवक पहिए के नीचे आ गया। ट्रेलर ने करीब 20 मीटर तक घसीटा, जिससे जान चली गई। हादसे में नाबालिग ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वहीं, बलरामपुर में पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे बाप-बेटे की जान चली गई। पिकअप ड्राइवर की हालत गंभीर है। घटना जूटमिल थाना और वाड्रफनगर थाना इलाके की है।

रायगढ़ में पहले हादसे में 2 दोस्तों की मौत: मिली जानकारी के मुताबिक मरने वालों में जकेला निवासी नितेश (19) और गोकुल खड़िया (15) शामिल है। बताया जा रहा है कि दोनों सुबह करीब 10 बजे रायगढ़ पेट्रोल लेने के लिए आए थे, तभी कांशीराम चौक पर ओडिशा की ओर जा रहे ट्रेलर ने दोनों को रौंद दिया। इस दौरान नितेश ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गया। वहीं, गोकुल गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हालत में सड़क पर तड़पता रहा। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

डेढ़ घंटे चक्काजाम: हादसे के बाद आसपास के लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने मुआवजे और कार मालिक को बुलाने की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने।

भीड़ में मौजूद एक युवक ने ट्रेलर के सामने वाले हेडलाइट को तोड़ दिया, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया, लेकिन नाराज लोग उसे छुड़ाने लगे। नहीं छोड़ने पर जमकर हंगामा किया। हालांकि, बाद में पुलिस ने किसी तरह माहौल शांत कराया।

मुआवजे का आश्वासन मिलने पर जाम समाप्त हुआ: स्थानीय व्यवसायी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि, ट्रैफिक पुलिस चालान काटने जरूर आती है, लेकिन कोई व्यवस्था नहीं रहती है। नायब तहसीलदार नितेश साहू ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद मुआवजे का आश्वासन मिलने पर जाम समाप्त हुआ। शासन के नियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी घटना बलरामपुर में बाप-बेटे की मौत: बलरामपुर जिले में कोल्हुआ गांव में पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार कोल्हुआ निवासी बेटे रामविचार (22) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता विजय (45) ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि, पिकअप ड्राइवर राजबली सामने के शीशे को तोड़ते हुए बाहर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की वजह: वाड्रफनगर पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। पिकअप ड्राइवर का बयान दर्ज किया गया है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। पुलिस ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

विदेशी सेक्स-रैकेट, ऐप में लड़कियों की फोटो, रेट से डील

रायपुर आती थीं रशियन गर्ल्स, 2 महिला दलाल समेत 17 अरेस्ट, 2 युवतियां पहले ही जेल में

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के वीआईपी रोड पर रशियन युवती के हंगामे के बाद लगातार सेक्स रैकेट पर कार्रवाई जारी है। पुलिस ने अब तक 2 महिला दलाल समेत 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके अलावा 2 विदेशी महिलाएं और एक वकील पहले ही जेल में हैं। ये आरोपी अलग-अलग राज्यों के साथ विदेश से भी लड़कियों को देह व्यापार के लिए रायपुर बुलाते थे। ये पूरी डील ऐप के जरिए होती थी। इसका मास्टर माइंड जुगल कुमार राय पश्चिम बंगाल से पकड़ा गया है। इसके अलावा रायपुर, कवर्धा, अम्बिकापुर, महासमुंद, जगदलपुर एवं भिलाई से भी गिरफ्तारी हुई है।

ऐप के जरिए चल रहा था रैकेट: पुलिस की टीम ने आरोपियों के मोबाइल के जांच की। जांच के दौरान लोकैनटू एप के जरिए दूसरे देशों और राज्यों के युवतियों की फोटो और कई वॉट्सऐप ग्रुप की जानकारी मिली है। पुलिस ने डिजिटल डेटा को एनालिसिस करके रायपुर में देह व्यापार चलाने वालों पर कार्रवाई की है। देह व्यापार संचालित करने वाले ऐप के जरिए अपने ग्राहकों को लड़कियों की फोटो और रेट की जानकारी देते थे।

उज्बेकिस्तान की लड़की को मिले 27 हजार: उज्बेकिस्तान की लड़की ने पुलिस को बताया कि, जुगल कुमार के बुलाने पर वो मुंबई से रायपुर आई थी। रायपुर में भावेश आचार्य से मिली, जिसके बदले 27 हजार दिया गया। पुलिस ने रवि ठाकरे और जागेंद्र उके उर्फ मोहन को पकड़ा। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी जुगल कुमार भागकर पश्चिम बंगाल में छिप गया था, जिसे रायपुर पुलिस की टीम ने 24 परगना पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ तेलीबांधा थाने में केस दर्ज किया गया है।

अब जानिए क्या है पूरा मामला: 5-6 फरवरी की रात करीब 12:30 बजे वीआईपी रोड पर बिलासपुर पासिंग एक कार स्कूटी सवार तीन युवकों को जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में तीनों युवक बुरी तरह घायल हो गए, जिसमें एक की मौत हो गई है। हादसे के बाद आस-पास के लोगों ने कार को घेर लिया।

कार के नंबर प्लेट के ऊपर एक और प्लेट लगी हुई थी। इस पर भारत सरकार लिखा हुआ था। कार में विदेशी युवती नोरा (बदला हुआ नाम) के साथ युवक जो सरकारी वकील भी है, वह सवार थे। युवती देखने में विदेशी नागरिक लग रही थी। ऐसे में आस-पास खड़े लोग उसे रशियन-रशियन पुकारने लगे। हंगामे के चलते थोड़ी ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इन दोनों को थाने चलने कहा, लेकिन विदेशी युवती अपना फोन मांगने लगी। युवती मौके पर मौजूद एक पुलिस के जवान पर आरोप लगाती रही कि उसने उसका फोन लिया है। करीब 45 मिनट तक बीच सड़क तमाशा चलता रहा। इसके बाद जबरदस्ती पुलिस की गाड़ी में बैठाकर दोनों को थाने लाया गया। इनसे पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई हो रही है।

बोर्ड परीक्षा के लिए नियुक्त केंद्राध्यक्षों को दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2025, 1 मार्च 2025 से हो रही है। प्रदेश भर में परीक्षा के संचालन में एकरूपता, पारदर्शिता तथा गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए आज स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल मनेन्द्रगढ़ में आवश्यक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया को गंभीरता पूर्वक एवं पूर्ण गोपनीयता से किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। राज्य से इस हेतु प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर संजीव कुमार एवं टी. विजय गोपाल राव द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। जिसमें गोपनीय सामग्री प्राप्त करना, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, दिव्यांग छात्रों की विशेष व्यवस्था, पर्यवेक्षक नियुक्ति तथा परीक्षा कक्ष में विद्यार्थियों एवं पर्यवेक्षकों के दायित्व व गतिविधियों की जानकारी दी गई। परीक्षा उपरांत मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका के बंडल तैयार करने में सावधानी रखना साथ ही थाने से लेकर परीक्षा केन्द्र तक परिवहन करने में सावधानी रखना चाहिए। विद्यार्थियों के परीक्षा के दबाव की जानकारी, पहचान तथा उसका प्रबंधन करना जिसमें छात्र स्वस्थ मन से परीक्षा में शामिल हो सके। बैठक में डॉ. विनोद पाण्डेय, वेदप्रकाश मिश्रा, उदयभान मिश्रा सहित जिले के 46 केंद्रों के केन्द्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

तुम्हारा किसी और से अफेयर, कहने पर कुल्हाड़ी से काटा

दूसरों से बात करने पर टोकता था, थाने में पत्नी बोली-मैंने अपने पति को मार डाला

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मरवाही जिले में पत्नी ने अपने पति को कुल्हाड़ी से काट डाला। इसके बाद पत्नी ने खुद थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस से कहा कि मैंने अपने पति को मार डाला है। वह तुम्हारा किसी और से अफेयर है कहकर प्रताड़ित करता था। मामला मरवाही थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाले पति का नाम घोरेलाल पुरी (56) है। वहीं मर्डर करने वाली पत्नी का नाम वेदकुंवर पुरी (55) है, जो बघर्रा गांव के ललमटियाटोला की निवासी है। अफेयर के शक में हमेशा विवाद होता था।

जानिए क्या है पूरा मामला: दरअसल, 17 फरवरी यानी सोमवार को दोनों पति-पत्नी अपने पड़ोसी धनीराम के घर छठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम से लौटने के बाद पति घोरेलाल ने कहा कि धनीराम के घर आए मेहमानों के साथ तुम्हारा अफेयर है, जिससे दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ।

विवाद के बाद जब घोरेलाल दोपहर में कमरे में सोने चला गया। अफेयर के शक में विवाद को लेकर पत्नी गुस्से में थी। पति कमरे में सो रहा था, तभी पत्नी घर में रखे कुल्हाड़ी लेकर पति के पास पहुंची। पति के गले पर 2 बार मारा, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। पूरा बिस्तर खून से सन गया।

पत्नी बोली-मैंने अपने पति को मार दिया: एडिशनल एसपी ओम चंदेल ने बताया कि पति अपनी पत्नी को दूसरों से बात करने पर टोका-टाकी करता था। चरित्र पर शक करता था। पत्नी से लड़ाई करता था। इससे गुस्से में आकर पत्नी ने हत्या की है। पत्नी ने थाने में खुद आकर कहा कि मैंने अपने पति को मार दिया है।

एडिशनल एसपी ने बताया कि पत्नी को हिरासत में लेकर मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पत्नी ने जुर्म कबूल कर लिया है। गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

धमतरी के स्कूल की निरीक्षण में खुली पोल

अपर कलेक्टर पहुंचे स्कूल तो गायब मिले टीचर और स्टाफ, 13 कर्मचारियों को थमाया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में शिक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। अपर कलेक्टर ने अचानक डॉ. शोभाराम देवांगन स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 13 शिक्षक और कर्मचारी अनुपस्थित मिले।

नदारद रहे कर्मियों में प्राचार्य, व्याख्याता, सहायक ग्रेड-2 और ग्रेड-3 के कर्मचारियों के साथ प्रधानपाठक भी शामिल हैं। इतने अधिक टीचरों की अनुपस्थिति से विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई।

प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी अनुपस्थित शिक्षकों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दरअसल धमतरी कलेक्टर नम्रता गांधी ने अधिकारियों को स्कूलों के नियमित निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि शिक्षा व्यवस्था सुचारु रूप से चल सके।

अपर कलेक्टर ने किया औचर निरीक्षण: सके तहत मंगलवार को अपर कलेक्टर रीता यादव ने डॉ.शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमतरी का आकस्मिक निरीक्षण किया। सुबह 10 बजे स्कूल परिसर में पहुंची और स्कूल में कार्यरत शिक्षकों तथा उनकी उपस्थिति के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान 13 शिक्षक-कार्यालयीन स्टाफ निर्धारित समय पर स्कूल में उपस्थित नहीं मिले। निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्राचार्य पूनम पांडेय, व्याख्याता मनोज साहू प्रदीप शर्मा, तृप्ति जाचक, कमलेश कुमार साहू, व्याख्याता एलबी रंजना साहू, भारती ठाकुर, ज्योति सोनकर, सहायक शिक्षक, खोमेश्वरी, कुमारी नेहा वर्मा, सहायक ग्रेड 02 आनंद ठाकुर, सहायक ग्रेड 03 सरोज गुरूपंचायन और प्रधानपाठक सुभद्रा कश्यप अनुपस्थित रहे।

कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी: बताया जा रहा है कि कलेक्टर के निर्देश पर अनुपस्थित सभी शिक्षकों और स्टॉफ कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राज्य शासन द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों की शासकीय कार्य अवधि सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक निर्धारित की गई है। इसी तरह शिक्षकों को स्कूलों में निर्धारित पालियों अनुसार समय पर पहुंचकर विद्यार्थियों को पढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ.शोभाराम देवांगन स्कूल में निर्धारित समयों पर शिक्षकों और अन्य कार्यालय स्टॉफ की अनुपस्थिति से विद्यार्थियों के पठन-पाठन पर प्रतिकूल प्रभाव तो पड़ा ही। साथ ही, शिक्षा संबंधी अन्य कार्यों के संचालन में भी विलंब हुआ है। इस आधार पर अनुपस्थित शिक्षकों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के अंदर उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार की विंडो से निकलकर खतरनाक स्टंट का वीडियो वायरल

पेंड्रा में चलती कार से सेल्फी लेते तीन युवक, ट्रैफिक नियमों की उड़ाई धज्जियां

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पेंड्रा में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने का मामला सामने आया है। मरवाही से गौरेला मार्ग पर तीन युवकों ने चलती कार में खतरनाक स्टंट करते हुए सेल्फी लेने का वीडियो बनाया। यह घटना 18 फरवरी की है।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कार में सवार दो युवक कार की विंडो और एक युवक सनरूफ से बाहर निकलकर हुड़दंग करते नजर आ रहे हैं। वहीं हुड़दंग कर रहे युवकों का पीछे से आ रहे किसी शख्स ने वीडियो बना लिया है। जिसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया है। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, यह वीडियो मंगलवार का बताया जा रहा है। वीडियो में कुछ युवक पेंड्रा की सबसे मुख्य सड़क पीएनबी से सरस्वती शिशु मंदिर के पास कार से फर्राटा भरते नजर आ रहे हैं।

युवकों ने यातायात नियमों की उड़ाई धज्जियां: वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक कार में बैठे युवक न तो यातायात नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा का ध्यान रख रहे हैं।

वहीं उस कार की विंडो से एक युवक बाहर निकलकर स्टंट कर रहा है। वहीं सनरूफ से दो युवक बाहर निकलकर सेल्फी ले रहे हैं। कार चालक की उम्र भी कम दिखाई दे रही है। शहर के बीचोंबीच किए गए इस खतरनाक स्टंट को देखकर राहगीर भी हैरान थे।

बीयर की बोतल लेकर गाड़ी चलाते हुए युवक का वीडियो वायरल: इससे पहले भी इसी इलाके में एक युवक का बीयर की बोतल लेकर गाड़ी चलाते हुए वीडियो वायरल हुआ था। उस मामले में पुलिस ने चालान की कार्रवाई की थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिसकर्मियों की कमी के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले युवा पहले से ही लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं।

इनोवा से टकरा तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक में लगी आग

नेशनल हाइवे 43 में हादसा, एक युवक की मौत, बाइक सवार दूसरा युवक गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। सरगुजा जिले में बतौली स्टेट बैंक के पास नेशनल हाइवे 43 में तेज रफ्तार में स्पोट्स बाइक की सामने से आ रही इनोवा वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। इनोवा से टकराते ही बाइक सवार उछलकर सड़क पर गिर गए। टक्कर के बाद स्पोट्स बाइक में आग लग गई। हादसे में स्पोर्ट्स बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई एवं दूसरे की हालत गंभीर है। हादसा बतौली थानाक्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, पल्सर आरएस 200 स्पोर्ट्स बाइक में सवार दो युवक मंगलवार शाम को दो घंटे से बतौली में तेज रफ्तार में चक्कर काट रहे थे। युवक शांतिपारा की ओर से अंबिकापुर की ओर तेज रफ्तार में निकले। इस दौरान बतौली में स्टेट बैंक के सामने युवकों की बाइक तेज रफ्तार में अंबिकापुर से सीतापुर की ओर जा रही इनोवा क्रमांक यूपी 64 आर 4201 से सीधे जा टकराई।

सड़क पर गिरे युवक, एक की मौत: टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार उछलकर सड़क पर गिर गए। टक्कर के बाद पल्सर बाइक में आग लग गई ओर बाइक के कई टुकड़े सड़क पर बिखर गए। इनोवा के सामने का हिस्सा भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर गिरा एक युवक अंबिकापुर की ओर से जा रही ट्रक सीजी 16 सीक्यू 7854 के चक्कों के नीचे आते-आते बचा। उसे देखकर ट्रक चालक ने ब्रेक लगा दिया। हादसे में आई गंभीर चोट की वजह से युवक की मौके पर मौत हो गई। दूसरे युवक को गंभीर चोटें आई हैं।

हार के बाद सोशल मीडिया पर कांग्रेसियों का गुस्सा

आरएसएस से सीखिए जनसंपर्क, पत्नियों को चुनाव लड़ाने से मिली हार, पदाधिकारियों के इस्तीफे की मांग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बीते एक साल में चौथी बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव में सभी 10 नगर निगमों में बीजेपी की जीत हुई है। जिससे कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है।

टिकट वितरण से पहले ही नाराज कार्यकर्ताओं का गुस्सा अब सोशल मीडिया में खुलकर सामने आ रहा है। कार्यकर्ता रस्स-की तारीफ से लेकर पार्टी के नेताओं से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। जबकि कुछ ने तो टिकट वितरण में पैसे के लेनदेन और गुटबाजी के आरोप भी लगाए हैं।

पार्टी के कई सीनियर नेताओं पर भी हार की जिम्मेदारी लेने का दबाव बढ़ता जा रहा है। युवाओं के साथ साथ महिला कार्यकर्ताओं ने भी संगठन में अपनी उपेक्षा को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

यूथ कांग्रेस के नेता ने लिखा संघ की खूबी पहचानिए: यूथ कांग्रेस के नेता राहुल कर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि - "भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ. संघ से आप लाख असहमतियां रखिए, खूब लानत-मलानत कीजिए लेकिन जो संघ की खूबी है उसे भी पहचानिए और सीखिए। उनकी सबसे बडी खासियत है संघ का संगठन और उसका जनसंपर्क और यही भाजपा की जीत का सबसे बड़ा कारण है।

नेताओं की पत्नियों को टिकट देना हार की वजह: कांग्रेस कार्यकर्ता कल्पना सागर ने लगातार 3 पोस्ट किए हैं, उन्होंने लिखा - "महापौर नेता पत्नी, वार्ड नेता पत्नी, सभापति खुद बनने की महत्वकांक्षा के साथ रायपुर निकाय चुनाव लड़ा गया, परिणाम सबके सामने है।"

"जिस पार्टी में महिला कार्यकर्ता सशक्त नहीं होती, उस पार्टी के विलुप्त होने में समय नहीं लगता" "रायपुर नगर निगम में कांग्रेस की ऐतिहासिक हार की जिम्मेदारी कौन लेगा नेताओं की पत्नियों को टिकट देना हार की वजह कांग्रेस कार्यकर्ता कल्पना सागर ने लगातार 3 पोस्ट किए हैं, उन्होंने लिखा - "महापौर नेता पत्नी, वार्ड नेता पत्नी, सभापति खुद बनने की महत्वकांक्षा के साथ रायपुर निकाय चुनाव लड़ा गया, परिणाम सबके सामने है।"

"जिस पार्टी में महिला कार्यकर्ता सशक्त नहीं होती, उस पार्टी के विलुप्त होने में समय नहीं लगता" "रायपुर नगर निगम में कांग्रेस की ऐतिहासिक हार की जिम्मेदारी कौन लेगा?

शहर अध्यक्ष के इस्तीफे की मांग: कांग्रेस कार्यकर्ता अमिताभ राजा घोष ने अपनी पोस्ट में रायपुर शहर अध्यक्ष के इस्तीफे की मांग की है, उन्होंने लिखा कि - "नैतिकता के नाते हार की जिम्मेदारी लेते हुए शहर अध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए"

'इस्तीफा जिम्मेदार लोग देते हैं। गैर जिम्मेदार बेशरम और पतित लोग सफाई देते हैं।

साव ने कहा - कांग्रेस में हलचल मची है: बीजेपी ने इस हार को लेकर हुए कहा कि अब जनता कांग्रेस नेताओं की अंदरूनी लड़ाई का मजा ले रही है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पार्टी में मची हलचल से साफ है कि कांग्रेस खुद अपनी हार की वजह है।

भूपेश बोले - पार्टी फोरम में बात रखेंगे: राज्य में चुनावी हार के बाद सोशल मीडिया पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के असंतोष दिखाई दे रहा है। इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा,सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देना अलग बात है, लेकिन पार्टी के निर्णयों और मुद्दों पर चर्चा के लिए सही मंच पार्टी फोरम ही है। बड़ी हार हुई है, और मैं अपनी बात संगठन के भीतर ही रखूंगा।

क्या कांग्रेस संभाल पाएगी खुद को: नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर विरोध के बाद अब पार्टी को इस असंतोष को शांत करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। आने वाले दिनों में समीक्षा बैठक और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं तेज हो सकती हैं।

पेशेंट की मौत पर बवाल, बेटा बोला - डॉक्टर पर हत्या का केस दर्ज होना चाहिए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के एक निजी हास्पिटल में मंगलवार इलाज के दौरान पेंशेंट की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि बाईपास सर्जरी के लिए के बाद मरीज को होश नहीं आया है । पेशेंट का जो भी इलाज किया गया उसकी जानकारी भी नहीं दी गई । अस्पताल में हंगामा होने की सूचना पुलिस को पहुंची और बाद में पुलिस ने मामले को शांत करवाया। पेंटेंश के बेटे शब्बीर रिजवी ने बताया कि हमें लोगों ने कहा था कि डॉ वसीम खान ने नया है उससे ऑपरेशन नहीं करवाए लेकिन फिर भी बड़ा अस्पताल है और अस्पताल का नाम बड़ा है इस बात को देखते हुए इलाज करवाने के लिए आए थे।

केरल में स्टूडेंट को थूक मिलाकर पानी पिलाया

तिरुवनंतपुरम एजेंसी। केरल के तिरुवनंतपुरम के करियावट्टोम गवर्नमेंट कॉलेज में सीनियर्स ने एक स्टूडेंट को पानी में थूक मिलाकर पिलाया। इतना ही नहीं उसे घुटने के बल बैठाकर पीटा गया। पीड़ित स्टूडेंट की शिकायत पर 7 सीनियर स्टूडेंट्स को सस्पेंड कर दिया गया। पुलिस ने भी केस दर्ज कर लिया है। केरल में एक हफ्ते में रैगिंग का यह तीसरा केस है। छात्र संगठन के दफ्तर में पीटा पीड़ित छात्र बायोटेक्नोलॉजी फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। उसने 12 फरवरी को शिकायती पत्र देकर कहा- सीनियर्स ने उसे एक कमरे में घेर लिया और बेरहमी से पीटा। आरोपियों में से छह थर्ड ईयर और एक सेकेंड ईयर का स्टूडेंट है। पीड़ित का आरोप है कि केरल में सत्तारूढ़ की स्टूडेंट विंग स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के यूनिट रूम में उसकी पिटाई की गई। बताया जा रहा है कि मारपीट से पहले कैंपस में सीनियर और जूनियर छात्रों के बीच कुछ झड़पें हुई थीं। 1. जूनियर्स के कपड़े उतारे, प्राइवेट पार्ट पर चोट पहुंचाई कोट्टायम के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में पांच सीनियर स्टूडेंट्स ने 3 स्टूडेंट के कपड़े उतारे। फिर उनके प्राइवेट पार्ट पर डंबल (भारी वजन) लटका दिया। सीनियर्स ने कंपास और नुकीली वस्तुओं से भी जूनियर्स को घायल किया।

ममता बोलीं- महाकुंभ मृत्युकुंभ में बदल गया

कोलकाता एजेंसी। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, यह महाकुंभ मृत्युकुंभ में बदल गया है। मैं महाकुंभ का और पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए कोई प्लानिंग नहीं की गई है। भगदड़ में कई लोग मारे गए, लेकिन उनके बारे में कुछ पता नहीं चल रहा है। कई लोग मिले ही नहीं।

ममता ने कहा- महाकुंभ में अमीरों और वीआईपी लोगों के लिए 1 लाख रुपए तक के टेंट मौजूद हैं। गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेले में भगदड़ की स्थिति आम है, लेकिन व्यवस्था करना जरूरी है। आपने (यूपी सरकार) क्या योजना बनाई है? ममता ने यह बयान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान दिया। इससे पहले लालू प्रसाद यादव कुंभ को फालतू कह चुके हैं। मैंने यहां कुछ वीडियो देखे हैं जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि वह हिंदू धर्म के बारे में बोल रहे हैं और इसलिए उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया है। मैं कभी भी किसी धार्मिक मामले को भड़काने की बात नहीं करती भाजपा अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रही है। अगर भाजपा यह साबित कर दे कि मेरा बांग्लादेशी कट्टरपंथियों से संबंध है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगी।

''नक्शा'' कार्यक्रम से शहरी नियोजन को मिलेगा बढ़ावा, भूमि संबंधी विवादों में आएगी कमी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज रायसेन की धरती से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण (नक्शा) पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। सरकार की यह पहल शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त और उनके जीवन को आसान बनाएगी। साथ ही शहरी नियोजन को बढ़ाएगी और भूमि संबंधी विवादों को कम करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रायसेन में शहरी भूमि सर्वेक्षण ''नक्शा'' के राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ड्रोन उड़ाकर सिटी सर्वेक्षण प्रोग्राम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भूमि सबसे मूल्यवान सम्पत्ति होती है, इसलिए सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए सटीक और पारदर्शी रिकार्ड होना जरूरी है। नक्शा कार्यक्रम

से शहरी क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराकर भूमि अभिलेखों का निर्माण और आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिससे भूमि स्वामित्व की पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है।

प्रधानमंत्री जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने केन-बेतवा लिंक परियोजना शुरू की है। हर भूखण्ड को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में प्रमुखता से काम किया जा रहा है। किसान भाइयों को पर्याप्त सिंचाई के लिए पानी मिलने से उत्पादकता में वृद्धि होती है, हमारे किसान भाइयों की आय बढ़ रही है। इस वर्ष 2600 रू क्विंटल के मान से किसानों से गेहूँ उपार्जित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक सुविधाएं दी जा रही हैं।

नेता सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलेगा

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को आप नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलाने की परमिशन दे दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 14 फरवरी को राष्ट्रपति से इस मामले में मंजूरी मांगी थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जैन के खिलाफ बीएनएस की धारा 218 के तहत केस चलेगा। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय अब जल्द ही जैन को गिरफ्तार कर सकता है। गृह मंत्रालय ने ED की जांच और पर्याप्त सबूत होने के आधार पर राष्ट्रपति से यह अनुरोध किया था। दरअसल, जिस समय ये मामला सत्येंद्र जैन के खिलाफ फ्रेम हुआ था, उस समय वह विधायक थे। इसलिए बीएनएस की धारा 218 के तहत उनके खिलाफ केस चलाने के लिए राष्ट्रपति

की मंजूरी जरूरी थी।

आप प्रवक्ता और वकील सर्वेश मिश्रा ने बताया, यह कानून है कि विधायक, मंत्री के खिलाफ केस करने के लिए गृह मंत्रालय को राष्ट्रपति की परमिशन लेनी होती है, लेकिन कई मामले ऐसे आए जिसमें सीबीआई, ईडी ने बिना परमिशन लिए केस किया, गिरफ्तारी की और बाद में परमिशन ली। 4 फर्जी कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप ईडी ने आरोप लगाया था कि सत्येंद्र ने उनसे जुड़ी 4 फर्जी कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की। इन फर्जी कंपनियों के जरिए आए पैसे का इस्तेमाल 14 फरवरी 2015 से 31 मई 2017 के बीच कई लोगों के नाम पर चल संपत्तियां खरीदने में किया गया। इसके अलावा दिल्ली और उसके आसपास कृषि भूमि की खरीद के लिए लोन अदायगी में भी किया गया था। जैन के मालिकाना हक वाली कई कंपनियों ने हवाला के माध्यम से कोलकाता स्थित एंट्री ऑपरेटरों को कैश ट्रांसफर के बदले शेल कंपनियों से 4.81 करोड़ रुपए प्राप्त किए।

ओडिशा के कलिंगा यूनिवर्सिटी में नेपाली छात्रा की मौत

भुवनेश्वर एजेंसी। ओडिशा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के हॉस्टल में नेपाली छात्रा का शव के मामले में अबतक 4 लोगों की गिरफ्तारी हुआ है। छात्रा के बैचमेट भारतीय छात्र के बाद मंगलवार को केआईआईटी के तीन डायरेक्टर और दो सिक्योरिटी गार्ड्स को अरेस्ट किया गया। सभी को कोर्ट में पेश किया गया है। वहीं, छात्रा की मौत मामले की जांच के लिए ओडिशा सरकार ने मंगलवार को गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव और उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव वाली हाई लेवल फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया। दरअसल, 17 फरवरी की शाम बी-टेक थर्ड ईयर की स्टूडेंट प्रकृति लामसाल का शव कॉलेज के हॉस्टल में मिला था।

कहा गया कि उसने आत्महत्या की है। छात्रा की मौत पर कॉलेज के अन्य इंटरनेशनल छात्रों यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रकृति के बैच का ही भारतीय छात्र उसे प्रताड़ित कर रहा था। दावा है कि छात्र लड़की का बॉयफ्रेंड था। स्टूडेंट्स का कहना है कि शिकायतों के बाद भी यूनिवर्सिटी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

पटना में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, 4 अपराधी गिरफ्तार

बिहार एजेंसी। राजधानी पटना में मंगलवार दोपहर को पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

घटना के बाद पुलिस ने पूरे इलाके को हाई अलर्ट पर रखा है और अफवाहों से बचने की अपील की है। जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ की घटना कंकड़बाग थाना क्षेत्र के राम लखन पथ पर हुई। बताया जा रहा है कि पुलिस पर फायरिंग करते हुए अपराधियों ने एक मकान में घुसने की कोशिश की थी, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया। इस मुठभेड़ में दो घंटे के ऑपरेशन के बाद चार अपराधी हथियारों के साथ पकड़े गए। हालांकि, इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी या नागरिक के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की सूचना मिलने के बाद पटना के एसएसपी अवकाश कुमार और सदर एसपी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। एसटीएफ और ब्लैक वर्दीधारी कमांडो भी मौके पर पहुंचे। दस थानों की पुलिस को घटनास्थल पर तैनात किया गया।

दिल्ली में नई सरकार का शपथ ग्रहण 20 को

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री का शपथ समारोह रामलीला मैदान में होगा। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह शाम 4:30 बजे की जगह अब सुबह 11 बजे होगा। दिल्ली का अगला सीएम कौन होगा, यह बुधवार को तय होगा।

भाजपा विधायक दल की बैठक कल दोपहर 3:30 बजे बुलाई गई है। मंगलवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और महासचिव विनोद तावड़े उप राज्यपाल वीके सक्सेना से मिलने पहुंचे हैं। भाजपा ने तावड़े और चुघ को शपथ समारोह का प्रभारी बनाया है। एलजी से मुलाकात के पहले तीनों नेताओं ने रामलीला मैदान का निरीक्षण भी किया। चुघ ने कहा कि एलजी सक्सेना भी तैयारियों पर नजर रखे हैं। शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले समारोह में प्रधानमंत्री मोदी समेत तमाम केंद्रीय मंत्री, भाजपा और एनडीए शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाया गया है। मुख्यमंत्री की रेस में 6 नाम भाजपा अपने मुख्यमंत्री के नाम को लेकर हमेशा चौंकाती आई है।

अश्लील कमेंट- यूट्यूबर अलाहबादिया को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अश्लील कमेंट मामले में रणवीर अलाहबादिया की अपील पर सुनवाई की। अदालत ने अलाहबादिया को गिरफ्तारी से राहत दे दी, लेकिन उन्हें जमकर फटकार भी लगाई। अदालत ने कहा कि आपके कमेंट की भाषा विकृत और दिमाग गंदा है। इससे अभिभावक ही नहीं,

बेटियां और बहनें भी शर्मसार हुईं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह ने कहा कि अलाहबादिया के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई हैं, लेकिन अब उनके खिलाफ इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया जाएगा। रणवीर अलाहबादिया पर आरोप था कि उन्होंने समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट% में पेरेंट्स पर अश्लील कमेंट किए थे।

महाकुंभ- रोड के साथ गलियां भी फुल

प्रयागराज। महाकुंभ में अब सिर्फ 8 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही। एक ओर सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं, दूसरी तरफ संगम में नावों का जाम लग गया। संगम आने वाले रास्तों पर लंबा जाम लगा है। पुलिस डायवर्जन के लिए टीन शेड लगा रही है। प्रयागराज की स्थिति ऐसी है कि मेन रोड के साथ गलियां भी फुल हैं। झूंसी की गलियों में पैर रखने की जगह नहीं है। हर तरफ लोग ही लोग नजर आ रहे हैं। पुलिस बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में एंट्री नहीं

दे रही है। शटल बस और ई-रिक्शा चल रहे हैं। लेकिन भीड़ ज्यादा होने से श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचने के लिए 10-12 किमी पैदल चलना पड़ रहा है।

अरैल घाट पर वीआईपी जेटी में

गुजरात की 66 नगरपालिकाओं में से 62 पर भाजपा जीती

अहमदाबाद एजेंसी। गुजरात में जूनागढ़ नगर निगम, वलसाड जिले की तीन नगरपालिका समेत 66 नगरपालिकाओं, तीन तालुका पंचायतों और कई पंचायतों के उपचुनावों के लिए मतगणना पूरी हो गई। कई सीटों पर अन्य दलों के पीछे हटने के कारण भाजपा ने पहले ही निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। बीजेपी ने 66 में से 62 नगरपालिकाएं जीतीं हैं। आम आदमी पार्टी ने भी देवभूमि द्वारका में दो वार्ड पर जीत दर्ज की है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव और छत्तीसगढ़ स्थानीय निकाय चुनावों में हार के बाद कांग्रेस को गुजरात में भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी सिर्फ जूनागढ़ की ही सीट जीत सकी है। वहीं, शेष 5 में अन्य पार्टियां किंगमेकर की भूमिका में हैं।

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ राज्य में पहली बार हुए स्थानीय स्वशासन चुनावों में 66 नगर पालिकाओं के आम चुनाव, 2 नगर पालिकाओं के मध्यावधि चुनाव और जूनागढ़ नगर निगम चुनाव के लिए मतगणना हुई। दो बड़े उलटफेर भी हुए हैं। जिसमें चोरवाड़ नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 3 में कांग्रेस विधायक विमल चुडासमा को हार का सामना करना पड़ा है। जबकि 6 बार उप महापौर रहे गिरीश कोटेचा के बेटे पार्थ कोटेचा जूनागढ़ नगर निगम चुनाव में हार गए हैं।

पटना में मुठभेड़ के बाद 4 अपराधी गिरफ्तार

पटना एजेंसी। पटना के कंकड़बाग इलाके में मंगलवार को पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। 2 घंटे चले ऑपरेशन में टीम ने चारों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एक घर के बाहर फायरिंग करते हुए 4 अपराधी इमारत के अंदर घुसे थे, इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस और स्क्रॉन्न भी बिल्डिंग के अंदर घुसी थी।

इससे पहले 5 मंजिला बिल्डिंग को घेरकर ऑपरेशन चलाया गया। अपराधियों से लगातार सरेंडर करने को कहा गया, लेकिन वो नहीं माने। इसके बाद फोर्स अंदर दाखिल हुई। करीब 2 घंटे चले ऑपरेशन में रुक-रुककर गोलीबारी होती रही। पटना स्स्क अवकाश कुमार ने बताया, %पुलिस रामलखन सिंह पथ इलाके में जमीनी विवाद मामले की जांच के लिए पहुंची थी। जांच के दौरान ही अपराधियों की तरफ से पुलिस पर फायरिंग की गई। फायरिंग करते हुए वे मकान के अंदर भाग गए थे।

पाकिस्तान से मोक्ष के लिए भारत आईं 400 लोगों की अस्थियां, हरिद्वार में होगा विसर्जन

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान से एक हिंदुओं का ग्रुप भारत आया है। यह ग्रुप अपने साथ 400 कलश अस्थियों को लेकर पहुंचा है। इन अस्थियों को हरिद्वार में विसर्जित किया जाएगा। कराची के पंचमुखी हनुमान मंदिर और श्मशान घाट के मुख्य सेवक रामनाथ मिश्रा अस्थियों को लेकर तर्पण करने के लिए भारत आए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रामनाथ मिश्रा ने बताया कि वह संगम का पावन जल लेकर दिल्ली के निगम बोध पर अस्थि कलशों की इसी पवित्र जल से पूजा की जाएगी।

अस्थियों पर संगम का जल छिड़कने के बाद दिल्ली से हरिद्वार तक रथ यात्रा निकाली जाएगी। 22 फरवरी को हरिद्वार के सती घाट पर 100 लीटर दूध की धारा में अस्थियों का विसर्जन किया जाएगा। रामनाथ ने बताया कि कराची के श्मशान घाट का नवीनीकरण किया गया है, जहां अब एक साथ 15 शवों का अंतिम संस्कार किया जा सकता है। श्मशान घाट में अस्थियों को रखने के लिए एक ढांचा भी बनाया गया है, जहां पिछले सात-आठ सालों में 400 हिंदुओं की अस्थियां एकत्र की गई थीं। अब जब उन्हें भारत आने का वीजा मिल गया है, तो वे सभी अस्थियों को लेकर तर्पण करने के लिए यहां आए हैं। रामनाथ मिश्रा ने दावा किया कि उनके पूर्वज सदियों से पंचमुखी हनुमान मंदिर की सेवा करते आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पूर्वज प्रयागराज के चकिया गांव से थे, लेकिन इतने सालों से दूर रहने के कारण अब यहां किसी से कोई संपर्क नहीं रह गया है।

शिंदे गुट के 20 विधायकों की वॉय-कैटेगरी सुरक्षा घटाई

मुंबई एजेंसी। महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट के 20 विधायकों की वॉय कैटेगिरी सुरक्षा हटा ली गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन विधायकों की सुरक्षा में सिर्फ एक कॉन्स्टेबल तैनात किया गया है। वहीं, भाजपा और एनसीपी (अजित गुट) के कुछ विधायकों की सुरक्षा घटाने की खबर है। हालांकि, न तो शासन ने इस पर बयान जारी किया है, न ही विधायकों ने कुछ बोला है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शिंदे इस फैसले से नाराज हैं। सुरक्षा हटने के इस फैसले पर विपक्षी दलों ने भी तंज कसा है। शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट कर लिखा, महायुति वैलेंटाइन मंथ मना रही है...नहीं। वहीं संजय राउत ने इसे महायुति

सरकार में दरार का संकेत बताया। रायगढ़-नासिक के संरक्षक मंत्री पद को लेकर शुरू हुआ विवाद भाजपा और शिंदे गुट के बीच विवाद रायगढ़ और नासिक के संरक्षक मंत्री की नियुक्ति से शुरू हुआ था। दरअसल, सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अदिति तटकरे को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री नियुक्त किया था। यह डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को पसंद नहीं आया था।

वे इस पद के लिए अपनी पार्टी के किसी नेता को चाहते थे क्योंकि रायगढ़ में शिवसेना का काफी प्रभाव है। शिंदे की नाराजगी के बाद तटकरे की नियुक्ति रोक दी गई थी। लेकिन मामला अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है।

फडणवीस की बैठक के बाद शिंदे ने अलग बैठक की सीएम फडणवीस और शिंदे में अनबन की बातें तब सामने आईं, जब डिप्टी सीएम शिंदे ने 17 फरवरी को उद्योग विभाग की रिव्यू मीटिंग की थी। उद्योग मंत्रालय शिंदे के पास है। इस विभाग की रिव्यू मीटिंग जनवरी में सीएम फडणवीस ने भी की थी।

संक्षिप्त समाचार

होम लोन पर याज के खिलाफ एसआईपी का फॉर्मूला

मुंबई एजेंसी। आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी। मान लीजिए आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है। इस तरह 20 साल बाद आपके एसआईपी खाते में कुल 69,94,035 रुपये जमा हो जाएंगे।

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

मुम्बई एजेंसी। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकत हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं। सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों के बाजार में उत्साह

सेंसे स 57 , नि टी भी 30 अंक बढ़ा

मुम्बई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। इसके साथ ही निचले स्तरों पर खरीदारी ने भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक करीब 0.08 फीसदी ऊपर आकर 75,996.86 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.25 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी ऊपर आकर 22,959 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, ज़ोमैटो और टाटा मोटर्स ऊपर आकर हरे निशान पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी के शेयर टूटकर लाल

निशान पर बंद हुए। 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने वैश्विक तनाव के कारण इस महीने के पहले दो हफ्तों में भारतीय बाजारों से 21,272 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बढ़त रही। इन स्टॉक्स में खरीदारी से निवेशकों की कंपनियों के सुस्त परिणामों और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के सेंटीमेंट को संतुलित किया है। निफ्टी मिडकैप100 आज 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

दूसरी ओर, निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एनएसई पर फार्मा, बैंक, फाइनेंशियल सर्विज, हेल्थकेयर, ओएमसी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल सेक्टर ऊंचे स्तर पर बंद हुए। ग्लेनमार्क फार्मा और अजंता फार्मा की अगुवाई में निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ सेक्टरों में टॉप पर रहा। इस बीच, निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और मीडिया इंडेक्स 0.71 फीसदी तक गिरकर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के रुख के बाद भी भारतीय बाजारों की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स सोमवार को 300 अंक गिरकर 75,641.41 पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में यह 75,294 अंक तक फिसल गया। सुबह यह 518 अंक गिरकर 75,421 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,809 अंक पर खुला। सुबह यह 148.20 अंक की गिरावट लेकर 22,781 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में आज मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 0.07 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.47 फीसदी बढ़ा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.6 फीसदी नीचे आया। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में डाओ जोंस् 0.37 फीसदी फिसला, एसएंडपी 500 में 0.01 फीसदी की मामूली गिरावट आई, जबकि नेस्डेक कम्पोजिट 0.41 फीसदी चढ़ा।

शुरुआती कारोबार रुपया आठ पैसे टूटकर 86.96 पर खुला

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे गिरकर 86.96 पर आ गया। यह गिरावट विदेशी कोषों की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के चलते आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि डॉलर/रुपये की जोड़ी के लिए नकारात्मक रुझान है, क्योंकि विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली जारी रखे हुए हैं और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का समर्थन धीरे-धीरे कम हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 86.94 पर खुला और फिर गिरकर 86.96 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे कमजोर होकर 86.88 पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने कहा कि केंद्रीय बैंक के उपायों और संभावित अमेरिकी शुल्क की अनुपस्थिति ने व्यापार संबंधी चिंताओं को कम कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू वृहद आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियां बनी हुई हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, सोना 85, 400 रुपये, चांदी 95,900 रुपये के करीब

नई दिल्ली एजेंसी। वैश्विक बाजारों में कीमती धातुएं महंगी होने से देश के सराफा बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस समय आज सोने के वायदा भाव 85,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुलने के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 145 रुपये की तेजी के साथ 85,200 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 350 रुपये की तेजी के साथ 85,405 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 161 रुपये की तेजी के साथ 95,741 रुपये पर खुला। इस समय यह 300 रुपये की तेजी के साथ 95,880 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। हालांकि इनके भाव गिरावट के साथ खुले थे। कॉमेक्स पर सोना 2,895.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,900.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 22.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,923.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.68 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.85 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 32.95 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वीवो टी4एक्स 5जी में दमदार बैटरी के साथ दमदार परफॉर्मेंस

नई दिल्ली एजेंसी। वीवो आज भारत में अपना नया स्मार्टफोन वीवे व्ही50 लॉन्च करने वाला है। इसी बीच कंपनी ने अपनी टी सीरीज के नए फोन वीवो टी4एक्स 5जी को टीज करना शुरू कर दिया है। टीजर के मुताबिक, यह फोन अपने सेगमेंट में सबसे बड़ी बैटरी ऑफर कर सकता है, जो 6500एमएएच की हो सकती है। इसके अलावा, फोन की कीमत 15 हजार रुपये से कम हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह डिवाइस 20 फरवरी को भारत में लॉन्च होगा। हाल में आई एक लीक में दावा किया गया था कि वीवो टी4एक्स 5जी में कंपनी डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट देने वाली है। इसके अलावा, फोन डायनामिक लाइट और नोटिफिकेशन एलईडी के साथ आ सकता है। यह

स्मार्टफोन प्रॉन्टो पर्पल और मरीन ब्लू कलर ऑप्शंस में उपलब्ध होगा। माना जा रहा है कि यह वीवो टी3 एक्स 5जी का सक्सेसर होगा। वीवो टी3 एक्स 5जी में 6.72 इंच का फुल एचडी और आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया था, जो 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी+2एमपी का डुअल रियर कैमरा और 8एमपी सेल्फी कैमरा था। फोन में 6000एमएएच बैटरी के साथ 44 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट भी मिला था। अब देखना होगा कि वीवो टी4 एक्स 5जी में और कौन-कौन से फीचर्स जोड़े जाते हैं और यह मार्केट में क्या धमाल मचाता है।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतेगी : लार्क

सिडनी एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलास एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफ का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी। इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 122 रन बनाए। क्लार्क ने कहा कि रोहित को रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा और उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। माइकल क्लार्क ने कहा, मैं कहा है कि भारतीय टीम ट्रॉफी जीतेगी क्योंकि रोहित ने लय हासिल कर ली है। उसको पिछली सीरीज में रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर भारत को उसकी जरूरत है। साथ ही कहा कि बुमराह के बाहर होने से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के अलावा वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा गेंदबाजों के पास अपनी क्षमताएं दिखाने का अच्छा अवसर है।

बिहार में अगले माह होगा सेपक टाकरा विश्वकप

पटना एजेंसी। बिहार पहली बार 'सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा है। ये विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 देशों की टीमें लेंगी। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगाहै। इस आयोजन को लेकर सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक करार भी हुआ है। हार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सेपक टाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन बिहार में पहली बार हो रहा है यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। बिहार को इस प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर देने के लिए सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया का हम आभार जताते हैं। साथ ही इसके

सफल आयोजन का भरोसा देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेपक टकरा वॉलीबॉल, जिम्नास्ट, फुटबॉल और बैडमिंटन का मिलाजुला रुप है। इसे जब खेलते हैं तब गेंद को पैरों से मारते हैं। हाथों का इस्तेमाल नहीं करना होता है। साथ ही जिम्नास्ट की तरह जम्प मारना होता है। सेपक टाकरा विश्व कप में शामिल होने वाले संभावित देश जापान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, ईरान, वियतनाम, भारत, ब्राजील, पोलैंड, फ्रांस, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, अमेरिका, सिंगापुर, चीन, स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, चीनी ताइपे, इटली और लाओस शामिल हैं। इनमें से श्रीलंका, अमेरिका, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई तथा इटली केवल पुरुष प्रतिस्पर्धा में शामिल होंगे। वहीं बाकी देश महिला और पुरुष दोनों वर्ग में भाग लेंगे।

खादिम इंडिया वितरण कारोबार अलग करेगी

कोलकाता एजेंसी। भारतीय जूते-चप्पल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी खादिम इंडिया लिमिटेड ने मार्च 2025 तक अपने वितरण कारोबार को अलग करने और मई तक नई इकाई के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वित्तीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है और एनसीएलटी से विभाजन की जल्दी घोषणा की उम्मीद जताई है। इस रणनीतिक कदम से खादिम की उम्मीद है कि वितरण और विनिर्माण गतिविधियों को केएफएल में विभाजित करने से मुद्दे सुलझेंगे और मुनाफे में सुधार होगा। इससे ब्रांड के 890 स्टोरों के नए उत्पादों का लाभ भी होगा। खादिम अपने वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे के विस्तार पर पूरी तरह से केंद्रित है।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

दुबई एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर-19 एशिया कप और जनवरी-फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है। इसी को देखते हुए आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत को खराब पिचें मिलेंगी पर ऐसा नहीं है। आईएलटी 20 0 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। वहीं कहा जा रहा है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ताकि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहे। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी। दुबई की पिच ऐतिहासिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रही है। तेज गेंदबाजों

को यहां मूवमेंट और बाउंस मिलता रहा है। नई पिच पर तेज गति से गेंदबाजी करने वाले स्पिनर मैच में अंतर ला सकते हैं। स्थितियां बल्ले और गेंद के बीच उचित संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है। इससे प्रतिस्पर्धी मुकाबले सुनिश्चित होंगे। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए पांच स्पिनर चुने हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पिछले हफ्ते यशस्वी जायसवाल की जगह वरुण चक्रवर्ती को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। चक्रवर्ती ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय डेब्यू किया था। अन्य चार स्पिनर रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर हैं। टीम में पांच स्पिनर जिनसे भारतीय टीम लाभ में रह सकती है।

मंधाना के अर्धशतक से आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया

नई दिल्ली एजंसी। कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यपीएल) क्रिकेट के अपने दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 141 रन बनाये। इस प्रकार आरसीबी को जीत के लिए 142 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने दो विकट के नुकसान पर ही 17 ओवरों के अंदर ही हासिल कर लिया। आरसीबी की ओर से मंधाना ने सबसे ज्यादा 81 रन रन बनाये जबकि डेनिएल वायट ने 42 ऋचा घोष ने नाबाद 11 और एलिस पेरी ने नाबाद 7 रन बनाये। इससे पहले आरसीबी ने टॉस जीतकर दिल्ली को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी की गेंदबाज रेणुका सिंह और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम के तीन-तीन विकेट लेकर आरसीबी ने कैपिटल्स को 141 रन पर ही आउट कर दिया। रेणुका और जॉर्जिया के अलावा किम गार्थ और एकता बिष्ट दो-दो विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे अधिक 34 रन बनाए। इसके अलावा केवल सारा ब्राइस 23 ही 20 रन तक पहुंच पायी। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरी ही गेंद पर शेफाली वर्मा एक भी रन बनाये बिना पेवेलियन लौट गयीं।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट आज से, आठ टीमें ले रही हिस्सा

पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के बीच खेला जाएगा

कराची एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी बुधवार से यहां पाकिस्तान में शुरु होगी। 2017 के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है। ऐसे में भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। भारत ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट के लिए पाक जाने से इंकार कर दिया था। इसमें विश्व की आठ टीम भाग ले रही हैं। सभी 4-4 टीमों को दो समूहों में बंटा गया है और सभी को आपस में तीन-तीन लीग मैच खेलने होंगे। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला गत विजेता पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से खेलेगी। टूर्नामेंट में भारत और पाक का मुकाबला भी 23 फरवरी को दुबई में ही होगा।

पाकिस्तान - मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

न्यूजीलैंड - मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।

बांग्लादेश - नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), सौम्य सरकार, तन्जीद हसन, तौहीद हृदोय,

मुश्फिकुर रहीम, मोहम्मद महमुदुल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तन्जीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया - स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, एडम ज़म्पा।

अफगानिस्तान - हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

ट्रक ने 5 दोस्तों को कुचला, 4 की मौत

रीवा में सड़क पर बिखरे शवों के टुकड़े, 5 घंटे पड़े रहे, पोटली में ले जाना पड़ा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 5 युवकों को कुचल दिया। इसमें चार युवकों की मौत हो गई। एक युवक की हालत गंभीर है। ट्रक की चपेट में आने से चारों के शव के टुकड़े-टुकड़े हो गए। पांच घंटे तक शव वहीं पड़े रहे। पुलिस को पोटली में शव को ले जाना पड़ा।

हादसा मंगलवार सुबह करीब 8 बजे बंकुइया में हुआ। युवकों की मौत से भड़के परिजन और ग्रामीणों ने जेरुका में चक्काजाम कर दिया। इससे 5 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गई।

मृतकों की पहचान आशीष साकेत, शिवबहादुर साकेत, सागर साकेत और नवीन साकेत के रूप में हुई। परिजन ने आरोप लगाया कि ट्रक ड्राइवर की लापरवाही के कारण हादसा हुआ।

एक ही बाइक पर सवार थे युवक: घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि एक ही बाइक पर 5 लोग सवार थे। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

परिजन बोले - कोई शवों को उठाने नहीं आया: मृतकों के परिजन ने कहा कि अगर किसी अमीर परिवार के बच्चे होते, तो लाशें तुरंत हटा ली जातीं, लेकिन यहां पांच घंटे तक सड़क पर शव टुकड़ों में बिखरे रहे।

मृतक आशीष की दादी कलाबाई साकेत ने बताया कि खनिज माफियाओं के ट्रक बस्ती से तेज रफ्तार में गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही और गरीबों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया।

हमें लाश उठाने नहीं दिया, लोग तमाशा देखते रहे: मृतक के चाचा रमेश साकेत ने कहा, सुबह 9:00 से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक मेरे जिगर के टुकड़े का शव सड़क पर यूं ही पड़ा रह गया। न हमें लाश को उठाने दिया गया। न ही प्रशासन ने उठाई। हर कोई तमाशा देखता रहा। हम सड़क पर बैठकर सिर पीटते रहे।

अवैध उत्खनन ने एक ही परिवार के चार युवकों की ले ली जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर से लगे ग्रामीण इलाके में मिट्टी और पत्थर के अवैध उत्खनन ने आज एक ही परिवार के चार युवकों की जान ले ली। रीवा में इस तरह का हादसा पहली बार नहीं हुआ है। इसके पहले भी कई हादसे हुए और कई लोगों की जाने भी गई हैं। लेकिन प्रशासन की नाक के नीचे होने वाले अवैध उत्खनन पर रोक नहीं लगाई जा सकी। जिसका नतीजा है कि आज एक साथ चार लोगों की मौत हो गई। दरअसल शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र के बनकुइयां स्थित दादर मोड़ ग्राम मरहा में मिट्टी लोड तेज़ रफ्तार डंपर ने दो बाइकों में सवार पांच युवकों को कुचल दिया। हादसे में चार युवकों की जहां मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तो वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि जिनकी मौत हुई है उसमें शिव बहादुर साकेत, आशीष साकेत, सागर साकेत, आशिक साकेत निवासी बिड़वा शामिल हैं।

जबकि सनी साकेत गंभीर रूप से घायल हैं। ग्रामीणों ने सीधे तौर पर हादसे में युवकों की मौत का ज़िम्मेदार अवैध उत्खनन को ठहराया है। जिसमें खनिज विभाग की, मिली भगत का भी आरोप लगाया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अवैध उत्खनन प्रशासन की अनदेखी के कारण ही हो रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक यहां से रोज़ाना 200 से 300 वाहन ओवरलोड होकर गुज़रते हैं। लेकिन इन्हें देखने वाला कोई नहीं है। एक साथ चार लोगों की मौत के बाद ग्रामीण आक्रोशित हैं। ग्रामीणों ने चक्काजाम कर पीड़ित परिवार को मुआवज़ा देने सहित सड़क निर्माण कराने और अवैध उत्खनन को बंद कराए जाने की मांग की है।

दीप काम्प्लेक्स में भरे बाज़ार में स्कॉर्पियो ने कई दो पहिया वाहन को टक्कर मार दी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के शिल्पी प्लाज़ा के सामने दीप काम्प्लेक्स में भरे बाज़ार में स्कॉर्पियो ने कई दो पहिया वाहन को टक्कर मार दी। जिससे भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय लोगों ने अमहिया पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा और थाने ले गई। घटना के संबंध में व्यापारियों ने बताया कि एक हरियाणा नंबर की ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी में दो युवक नशे की हालत में दुकान के बाहर खड़े दो पहिया वाहनों को टक्कर मारते हुए वाहनो के बीच फंस गए। उन्होंने बताया कि आधा दर्जन से ज़्यादा दो पहिया वाहन को स्कॉर्पियो सवार युवकों द्वारा टक्कर मारी गई। दुकान संचालकों ने बताया कि अगर स्कॉर्पियो वाहन दो पहिया वाहनों के बीच में फंसकर नहीं रुकता तो दुकान के अंदर तक जा घुसता। इस दौरान यदि अनियंत्रित स्कॉर्पियो के सामने कोई व्यक्ति आ जाता तो बड़ा हादसा भी हो सकता था।

टायर फटने से बोलेरो विपरीत दिशा से आ रही कार और बाइकों को टक्कर मार दी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। टायर फटने से बोलेरो डिवाइडर से टकराकर सड़क के दूसरी ओर चली गई और विपरीत दिशा से आ रही कार और बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में नौ लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। साथ ही दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को किनारे हटवाकर पुलिस ने यातायात बहाल करवाया। दरअसल एक बोलेरो में सवार होकर कुंभ यात्री प्रयागराज गए थे जहां गंगा स्नान करने के बाद वे वापस लौट रहे थे। तभी मंगलवार की सुबह बोलेरो जैसे ही सोहागी पहाड़ में पहुंची तभी अचानक उसका टायर फट गया। इस दौरान बोलेरो अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से उछलते हुए सड़क के दूसरी ओर आ गई। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक कार और दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि बोलेरो और कार दोनों वाहन पलट गए। थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने स्टाफ के साथ दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर यातायात बहाल करवाया।

विकासखण्ड स्तर पर मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं के संचालन हेतु 7 संस्थाओं के साथ अनुबंध

जन आकांक्षा के अनुरूप प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन पर हुआ विचार मंथन

आमजनों की सुविधा तथा प्रशासनिक व्यवस्था को ध्यान में रखकर पुनर्गठन के सुझाव दें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं को आरंभ करने के लिए उद्यमियों एवं संस्थाओं से अभिरूचि प्रदर्शन हेतु एमपी आनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये गये थे। निर्धारित अर्हता एवं मापदण्डों को पूर्ण करने वाली संस्थाओं को विकासखण्ड स्तर पर नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं के संचालन हेतु अनुबंध एवं भवन व उपकरण के हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्णकर मिट्टी परीक्षण विश्लेषण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण प्रारंभ कर दिया जायेगा। जिससे सतना एवं मैहर जिले के कृषकों को मिट्टी परीक्षण की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इसके फलस्वरूप संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा सुधार, फसल चयन आदि कृषि जनित गतिविधियों के संचालन में कृषकों की सुविधा के साथ-साथ अन्य विकल्पों के चयन में भी आसानी होगी। जिले में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं के संचालन के लिए विभागीय योजना अंतर्गत निःशुल्क या स्वयं कृषक द्वारा भुगतान कर मिट्टी परीक्षण की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशों के अनुसार पूरे प्रदेश में प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस संबंध में गठित मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री मुकेश शुक्ला की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जन आकांक्षा के अनुरूप प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन पर विचार मंथन किया गया। बैठक में आयोग के सदस्य श्री शुक्ला ने कहा कि संभाग, जिला, तहसील, राजस्व सर्किल तथा विकासखण्ड प्रशासनिक इकाईयां हैं। प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि आमजनता की सहूलियत बढ़ाने, भौगोलिक बाधा को दूर करने और क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखकर प्रशासनिक इकाईयों का पुनर्गठन किया जाएगा। इसके लिए मापदण्ड निर्धारित कर दिए गए हैं। इसमें अधोसंरचनात्मक ढांचा, आर्थिक कारण क्षेत्रफल, प्राकृतिक सीमा, प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक समरसता, जन सुविधा, सर्विस डिलेवरी सिस्टम तथा कानून और व्यवस्था को मानक बनाया गया है। इनके आधार पर सभी जिलों को प्रश्नावली दी गई है। कलेक्टर अन्य अधिकारियों के साथ पुनर्गठन के संबंध में समुचित और तर्कसंगत सुझाव प्राप्त करके अपना प्रस्ताव तैयार करें।

आयोग के सदस्य ने कहा कि प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य जन कल्याण है। राजस्व विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य विभागों की प्रशासनिक इकाईयों की सीमायें अलग-अलग होने से कई कठिनाईयां आती हैं। इन्हें दूर करने के लिए प्रशासनिक इकाईयों का युक्ति-युक्तिकरण आवश्यक है। कई तहसील और विकासखण्ड मुख्यालय अपने जिला मुख्यालय से बहुत दूर हैं जबकि उनके पास ही अन्य जिला मुख्यालय है जहाँ आना-जाना आसान है। राजस्व सर्किलों तक भी इसका परीक्षण करा लें। कलेक्टर प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन के संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त कर दें। विकासखण्ड स्तर तक के अधिकारियों से सुझाव लेकर प्रशासनिक इकाईयों के साथ-साथ विभागीय सेटअप में भी सुधार के संबंध में सुझाव शामिल करें। आयोग शीघ्र ही आमजनता के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन सुझाव की सुविधा देने जा रहा है। इसमें आमजनता भी अपने सुझाव दे सकती है। कलेक्टर जनप्रतिनिधियों तथा आमजनता से भी प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन के सुझाव लेकर उनका निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षण कर लें। उचित सुझावों को अपने प्रस्ताव में अवश्य शामिल करें। बैठक में आयोग के सचिव अक्षय सिंह ने प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन के संबंध में निर्धारित प्रक्रि या और प्रावधानों की जानकारी दी।

बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से प्रशासनिक इकाईयों का पुनर्गठन आवश्यक है। आज की बैठक में इसके संबंध में स्पष्ट निर्देश और मार्गदर्शन मिलने से यह कार्य सरल हो गया है। तहसीलों और अनुभागों के साथ-साथ विकासखण्डों के भी पुनर्गठन की आवश्यकता है। बैठक में आईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि संभाग के मैहर और मऊगंज नवगठित जिले हैं। इनमें राजस्व अनुभागों के अनुरूप पुलिस अनुभागों का होना आवश्यक है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों की प्रशासनिक इकाईयाँ भौगोलिक रूप से समान होनी चाहिए। बैठक में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल ने कहा कि रीवा जिले में तहसीलों और विकासखण्डों की सीमायें एक-दूसरे को ओवरलैप करती हैं। विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी के क्षेत्र और मुख्यालय अलग-अलग हैं। विकासखण्ड को इकाई मानकर इन्हें समरूप करना आवश्यक है। सभी विभागों के लिए विकासखण्ड को ही इकाई मानकर प्रशासनिक पुनर्गठन किया जाए। बैठक में कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव ने कहा कि नवीन जिलों में कई चुनौतियाँ हैं। जिला गठन के साथ अधोसंरचना के कार्य तत्परता से कराया जाना आवश्यक है। बैठक में पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह, पुलिस अधीक्षक मऊगंज रसना ठाकुर, संयुक्त संचालक योजना अनिल दुबे, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो की मौत

गैस सिलेंडर भरवाकर लौट रहे थे, हरदी मोड के पास कार ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में मंगलवार शाम एक कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों सिलेंडर भरवाकर वापस लौट रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव बरामद कर मर्ग कायम कर लिया है।

हादसा एनएच-30 पर रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के हरदी मोड के पास हुआ। यहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शैलेन्द्र कोल (40) और रामलखन कोल (30) के रूप में हुई है। दोनों रामपुर बघेलान के रहने वाले थे।

थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों त्योंधरी से गैस सिलेंडर भरवाकर अपने गांव कुल्लुहा लौट रहे थे। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 33 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने मंगलवार को जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आये 33 आवेदकों की समस्यायें जनसुनवाई में सुनी और उनके निराकरण के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा संगम मेले का आयोजन आज शासकीय आईटीआई में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आईटीआई सतना के सहयोग से शासकीय आईटीआई कॉलेज बिरला रोड सतना में 19 फरवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बेरोजगार आवेदक जो निर्धारित योग्यता पूरी करते हैं, अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में कंपनी एसएसआईएस सिक्योरिटी सर्विस, ख्याति शिल्ड वेंचर्स प्राईवेट लिमिटेड सूरत, ख्याति शिल्ड वेंचर्स प्राईवेट लिमिटेड रायपुर, आमधने प्राईवेट लिमिटेड, जस्ट डायल, देवा इंटरप्राइजेज, मदरशन सूमि, सुजुकी मोटर्स, जोमैटो, प्राकृतशील बायोटेक सतना, पेटीएम, महिन्द्र डिलरशिप में शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, डिप्लोमा, ग्रेजुएट, आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

जनपद पंचायत मऊगंज में लोक जैव विविधता पंजी निर्माण हेतु बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद पंचायत मऊगंज की प्लोक जैव विविधता पंजीष् निर्माण हेतु जैव विविधता प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन जनपद पंचायत सभागार मऊगंज में जनपद उपाध्यक्ष राकेश पटेल एवं राम कुशल मिश्रा मुख्य कार्यपालन अधिकारी मऊगंज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर प्रोफेसर स्कन्द मिश्रा ने पंजी निर्माण के महत्व, एकत्रित किए जाने वाले प्रमुख आंकड़ों एवं पंजी निर्माण की उपयोगिता की जानकारी दी। बैठक में पंजी के निर्माण हेतु जनपद क्षेत्र के सेक्टर के अनुसार पंचायतोंध्ग्रामों के जैव विविधता से संबंधित आंकड़ों को एकत्रित करने हेतु पद्धतियो एवं रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा आंकड़ों को विभागवार एकत्र हेतु जैव विविधता बोर्ड भोपाल द्वारा प्राप्त कराए गए नवीन प्रपत्र की जानकारी प्रदान की गई।

बैठक में जन प्रतिनिधियों, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, शिक्षा विभागों के अधिकारी एवं मैदानी स्तर के कर्मचारियों से आंकड़ों को एकत्रित करने हेतु सुझाव प्राप्त किए गए तथा सहयोग हेतु चर्चा की गई। कृषि, उद्यानिकी, पशु पालन ,मत्स्य, विभाग से प्राप्त कुछ जानकारियों को भी संकलित किया गया। बैठक में शेख मुख्तार सिद्दीकी, समय लाल कोल, राकेश कुमार वर्मा, प्रेम शंकर सिंह, मुस्कान फातिमा, अर्पण मिश्रा, डी. एन. द्विवेदी, एस. एम. शुक्ला, राजेश प्रजापति, डॉ. विश्वजीत तिवारी सहित ग्रामीण विकास एवं कृषि विभाग के मैदानी स्तर के कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल छोड़ जनसुनवाई में शिकायत करने पहुंचे शिक्षक सस्पेंड

कलेक्टर ने सुनी 80 आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 80 आवेदकों को अपने समक्ष सम्मानपूर्वक कुर्सी पर बिठाकर बडी सहजता से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम रघुराजनगर ग्रामीण एलआर जांगडे ने भी लोगों की समस्यायें सुनी और मैदानी अधिकारियों को दूरभाष से चर्चा कर लोगों की समस्याओं के निराकरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने स्कूल टाइम में ड्यूटी छोड़कर जनसुनवाई मे पहुंचे प्राथमिक शाला चांदमारी के प्रधानाध्यापक जितेंद्र गर्ग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कलेक्टर ने कहा कि दो शिक्षकीय शाला में एक महिला शिक्षक को स्कूल में छोड़कर बिना अनुमति स्कूल से यहां आना अनुशासनहीनता और कर्तव्य निर्वहन मे गंभीर लापरवाही है। उन्होंने संबंधित को निलंबित करते हुए कहा कि यदि किसी समस्या के लिए कलेक्टर से मिलना जरूरी था तो स्कूल टाइम के बाद शाम 5 बजे भी मिल सकते थे।

जनसुनवाई में खूंथी मोहल्ला से आए दिव्यांग रोशनलाल यादव को कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देश पर मौके पर ही वाकर उपलब्ध कराया गया। जनसुनवाई में वाकर पाकर रोशनलाल यादव ने कलेक्टर को धन्यवाद दिया। इसी प्रकार शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय मैहर में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र रावेन्द्र कुशवाहा और जितेंद्र कुशवाहा को 1 हजार प्रति दिव्यांग के मान से कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में ही 2 हजार रुपए वाचक भत्ता की राशि दिलाई गई। जनसुनवाई में नागौद तहसील अंतर्गत ग्राम मझगवां निवासी सुखीराम बसोर ने कलेक्टर को आवेदन देकर कान की मशीन दिलाये जाने की मांग की। कलेक्टर के निर्देश पर सुखीराम को कान की मशीन उपलब्ध कराई गई। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।